RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 187 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, सोमवार 25 अप्रैल 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर

पटवारी प्रशिक्षण चयन परीक्षा 2022 : परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न, 1,64,537 परीक्षार्थी शामिल हुए

रायपुर । छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा पटवारी प्रशिक्षण चयन परीक्षा 2022 का आयोजन आज किया गया। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य के 601 केंद्रों में परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न हुई। परीक्षा में 1,64,537 अभ्यर्थी शामिल हुए। इस परीक्षा के लिए 2,01,823 अभ्यर्थियों ने फॉर्म जमा किया था। उपस्थित अभ्यर्थियों का प्रतिशत 81.53 रहा। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के पटवारी के 301 पदों पर भर्ती के लिए पटवारी प्रशिक्षण चयन परीक्षा 2022 का आयोजन किया गया। यह परीक्षा राज्य के 28 जिला मुख्यालयों में संपन्न हुई।

गडकरी ने 5,569 करोड़ रुपये की 7 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने औरंगाबाद जिले के विकास को एक नया आयाम देने की दिशा में एक और कदम उठाया है। उन्होंने आज 5,569 करोड़ रुपये की 7 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन किया है। औरंगाबाद, महाराष्ट्र के प्रमुख औद्योगिक और शैक्षिक केंद्रों में से एक है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि औरंगाबाद जिले में पर्यटन केंद्रों के विकास के लिए शहर में सड़क परिवहन महत्वपूर्ण है, जो कि राज्य का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। मंत्री ने कहा कि इन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के निर्माण से परिवहन के साथ-साथ औरंगाबाद जिले के विकास में तेजी आएगी। शहर में यातायात में सुधार से दुर्घटनाओं और पर्यावरण प्रदूषण की संख्या को कम करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि जिले के ग्रामीण इलाकों से शहर तक आसानी से पहुंचा जा सकेगा। गडकरी ने कहा कि जल संकट से जूझ रहे औरंगाबाद जिले में सड़क परियोजनाओं के माध्यम से जल संकट को दूर करने के प्रयास किए गए हैं। मंत्री ने आगे कहा कि इसके माध्यम से अडगांव-गंधेली, वाल्मी व नक्षत्रवाड़ी क्षेत्र, तीसगांव और साजापुर गांव क्षेत्रों में बनाए गए तालाबों से निकाली गई मिट्टी का दोहरा लाभ मिला है। गहरीकरण ने हर एक क्षेत्र में तालाब के निर्माण को संभव बनाया है।

लखनपुरी को उप तहसील का दर्जा देने की घोषणा

मुख्यमंत्री ने चारामा को दी 183 करोड़ रूपए के विकास कार्यों की सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल तहसील मुख्यालय चारामा में आयोजित राजीव मितान क्लब सदस्य एवं महिला शक्ति सम्मेलन में शामिल हुए। इस अवसर पर उनके द्वारा 183 करोड़ 06 लाख रूपए के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया, इनमें 64 करोड़ 22 लाख रूपए के 35 विकास कार्यों का भूमिपूजन तथा 118 करोड़ 84 लाख रूपए के 40 कार्यों का लोकार्पण शामिल हैं। उन्होंने इस अवसर पर लखनपुरी को उप तहसील का दर्जा प्रदान करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कार्यक्रम में भानुप्रतापपुर, दुर्गूकोंदल एवं चारामा विकासखण्ड में कुल 14 नग खाद गोदाम भवन निर्माण के लिए 02 करोड़ 80 लाख रूपए तथा इन तीनों विकासखण्डों में 62 देवगुड़ी निर्माण हेतु 03 करोड़ 41 लाख रूपए एवं 24 घोटुल निर्माण के लिए 02 करोड़ 64 लाख रूपए, 25 रंगमंच निर्माण के लिए एक करोड़ 25 लाख रूपए, 73 सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 03 करोड़ 65 लाख रूपए और चारामा के सरार तालाब का जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण हेतु एक लाख रूपए तथा स्वामी आत्मानंद इग्लिश मीडियम स्कूल चारामा में सीसी सड़क, मंच एवं गेट निर्माण के लिए 34 लाख रूपए स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने कार्यक्रम में चारामा विकासखण्ड के ग्राम तारसगांव के ईश्वरी स्व-सहायता समूह एवं ग्राम उड़कुड़ा जोगी स्व-सहायता समूह को कचरा कलेक्शन एवं पृथककरण हेतु ई-रिक्शा का चाबी सौंपा। नारी जागरण महिला स्व-सहायता समूह गोटीटोला एवं अन्नपूर्णा महिला स्व-सहायता समूह कुर्रूभाट को किराना व्यवसाय हेतु 01-01 लाख रूपए का चेक प्रदान किया गया।

राजीव मितान क्लब सदस्य एवं महिला शक्ति सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि राज्य सरकार नागरिकों को सभी मूलभूत सुविधाएं- सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा इत्यादि मुहैया कराने के लिए गंभीरता से कार्य कर रही है। कुपोषण दूर करने के लिए बच्चों एवं माताओं को गर्म भोजन प्रदान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लिनिक योजना से हाट-बाजारों में मरीजों को उपचार मिल रहा है, इसकी शुरूआत बस्तर संभाग से हुई थी, जिसे पूरे राज्य में क्रियान्वित किया गया है। मलेरिया मुक्त बस्तर अभियान के भी सार्थक परिणाम मिले हैं, इससे उल्टी-दस्त, मलेरिया के प्रकरण में उल्लेखनीय कमी पाई गई है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को सस्ते दर पर ब्रान्डेड दवाई उपलब्ध कराने के लिए श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स खोले गए हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के बाद अब जिलों में उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय खोले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांकेर में मेडिकल कॉलेज की स्थापना बड़ी उपलब्धि है, यहां डॉक्टरों की कमी नहीं होने दी जायेगी।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि हमारी सरकार किसान हितैषी है, किसानों के कर्ज माफ किये गये, किसानों को उनकी उपज का वाजिब मूल्य दिया जा रहा है। कोदो-कुटकी के भी समर्थन मूल्य तीन हजार रूपए प्रति क्विंटल घोषित किये गये हैं। राजीव गांधी किसान न्याय योजनांतर्गत किसानों को लाभान्वित किया जा रहा है। गोधन न्याय योजना के तहत दो रूपए किलो में गोबर की खरीदी की जा रही है, इस योजना को देश के अन्य राज्य भी अपना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि गोबर से वर्मी कम्पोस्ट बनाये जा रहे हैं, जो रासायनिक खाद का विकल्प बनेगा। इस साल 20 लाख मीट्रिक टन वर्मी कम्पोस्ट तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि इन योजनाओं के क्रियान्वयन से छत्तीसगढ़ के किसान आर्थिक रूप से मजबूत हुए हैं। उन्होंने कहा कि राजीव मितान क्लब को प्रत्येक साल एक लाख रूपए की सहायता प्रदान किया जा रहा है, इन क्लबों के माध्यम से खेलकूद, तीज-त्यौहार इत्यादि गतिविधियों का आयोजन कर संस्कृति के संरक्षण का कार्य किया जायेगा, क्लब को शासकीय योजनाओं एवं रोजगार से संबंधित जानकारी भी दी जायेगी।

विदेशी पर्यटकों का फिर से भारत का रुख

उद्यमियों और व्यापारियों में उत्साह

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना काल में बुरी तरह प्रभावित पर्यटन क्षेत्र गत फरवरी में महामारी की तीसरी लहर के बाद इसका असर घटने के बाद विदेशी पर्यटक आगमन (एफटीए) से फिर से सुधार की ओर बढ़ रहा है और इससे जुड़े उद्यमियों एवं व्यापारियों में उत्साह की लहर भी है।

पर्यटन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक फरवरी 2022 में एफटीए बढ़कर 2.40 लाख रहा जोकि इससे पिछले महीने 2.01 लाख था। एफटीए में इजाफा स्थानीय टूर ऑपरेटरों और इससे जुड़े अन्य कारोबारियों के लिए बड़ी राहत है। दिसंबर 2021 में एफटीए 3.03 लाख पर पहुंच गया था लेकिन इससे अगले कोरोना संक्रमण के डर के कारण इसमें गिरावट दर्ज की गयी। विदेशी पर्यटकों के आगमन की संख्या अक्टूबर और नवंबर 2021 में क्रमश: 1.81 लाख और 2.51 लाख थी। एसटीआईसी ट्रैवल ग्रुप के चेयरमैन और कन्फेडरेशन ऑफ टूरिज्म प्रोफेशनल्स के अध्यक्ष सुभाष गोयल ने कहा कि निर्धारित अंतरराष्ट्रीय उड़ानें और ई वीजा की शुरुआत के बाद भारत में आने वाले पर्यटन में तेजी आई है। उन्होंने कहा कि अगर स्थिति बरकरार रहती है और कोविड के कारण कोई रूकावट पैदा नहीं होती है तो हम 1.10 करोड़ का लक्ष्य छू लेंगे , बल्कि उसे भी पार कर जाएंगे। वर्ष 2019 में भारत ने करीब 30 अरब डालर की विदेशी मुद्रा कमायी थी।

हम, वर्ष 2022-23 में 35 अरब डालर की कमायी करने की उम्मीद करते हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को फिर से शुरू करने और वीजा प्रतिबंधों में ढील के चलते आगामी महीनों में भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होने की उम्मीद है, सरकार घरेलू पर्यटन को पुनर्जीवित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

हनुमान चालीसा विवाद

सांसद नवनीत राणा और उनके पति ने खटखटाया बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अमरावती के सांसद नवनीत राणा और उनके पति विधायक रवि राणा ने बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख करते हुए अपने खिलाफदर्ज एफ्आईआर रद्द करने के लिए एक याचिका दायर की है। राणा दंपति को हनुमान चालीसा का पाठ करने को लेकर उठे विवाद के बाद शनिवार को गिरफ्तार किया गया था। राणा दंपति पर आईपीसी की धारा 15 और 353 के साथ-साथ बॉम्बे पुलिस एक्ट की धारा 135 के तहत FIR दर्ज है। सबसे बड़ी धारा 124 यानी राजद्रोह की धारा भी लगाई गई है।

उद्धव ठाकरे निवास मातोश्री के बाहर हनुमान चालीसा पढ़ने के लिए अड़ीं निर्दलीय सांसद नवनीत राणा और उनके विधायक पति रवि राणा की रात जेल में कटी। जेल जाने से पहले दोनों की कोरोना जांच की गई।

बता दें कि मुंबई पुलिस ने निर्दलीय सांसद नवनीत राणा को यहां भायखला महिला जेल में स्थानांतरित कर दिया जबकि उनके विधायक पति रवि राणा को कड़ी सुरक्षा के बीच पड़ोसी नवी मुंबई की तलोजा जेल ले जाया गया। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

क्या है मामला

बता दें कि मातोश्री के बाहर हुनमान चालीसा का पाठ करने पर अड़ीं अमरावती से सांसद नवनीत राणा और उनके पति रवि राणा को बीते शनिवार को मुंबई पुलिस ने खार इलाके से गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें रविवार को बांद्रा कोर्ट में पेश किया गया था। सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने राणा दंपती को 14 दिन के लिए न्यायिक हिरासत में भेजने का फैसला सुनाया। अब दोनों की जमानत पर सुनवाई 29 अप्रैल को होगी।

दो दिन की राहत के बाद बाद फिर लौटी गर्मी, छत्तीसगढ़ का चढ़ा पारा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अंधड़ व बारिश के बाद दो दिन गर्मी से राहत मिलने के बाद छत्तीसगढ़ का पारा फिर से चढ़ने लगा है। सोमवार को सुबह से ही गर्मी झुलसाने लगी है। आलम यह है कि सुबह 10 बजे के बाद से ही सड़के सूनी दिखने लगी हैं। तेज गर्मी लोगों को झुलसा रही है। मौसम विभाग ने गर्मी के बीच प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश होने की संभावना भी जताई है। आइए जानते हैं प्रमुख शहरों में कैसा रहा तापमान।

मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार रविवार को प्रदेश का औसतन तापमान 40 डिग्री से ज्यादा रहा। प्रदेश का अधिकतम तापमान 40.7 डिग्री व न्यूनतम तापमान 27 डिग्री रहा। इस दौरान दुर्ग सबसे ज्यादा गर्म रहा। यहां अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री रहा। इसके अलावा बिलासपुर में अधिकतम तापमान 42.2 डिग्री और राजनांदगांव में 40.4 डिग्री सेल्सियस मापा गया है।

राजधानी रायपुर के माना में 41.4 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। इसके अलावा रायपुर शहर में अधिकतम तापमान 40.7 डिग्री सेल्सियस मापा गया।

पेण्ड्रा रोड में अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री और अंबिकापुर में 39.6 डिग्री रहा। प्रदेश में सबसे कम तापमान जगदलपुर में दर्ज हुआ। यहां का अधिकतम तापमान 37.4 डिग्री सेल्सियस मापा गया है।

और बढ़ेगा तामपान

मौसम विभाग ने बताया कि अभी तापमान में बढ़ोत्तरी जारी रहेगी। रविवार की अपेक्षा सोमवार और ज्यादा गर्म रहेगा। मंगलवार को भी तापमान बढ़ेगा। इस सप्ताह के अंत का प्रदेश का तापमान 44 डिग्री को भी पार कर जाएगा। साथ ही मौसम विभाग ने प्रदेश के दक्षिणी हिस्से में बारिश की संभावना भी जताई है।

रविवार को बस्तर संभाग के कई हिस्सों में बारिश हुई थी। दुर्ग संभाग में भी बारिश हुई। रायपुर मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार मध्य प्रदेश के उत्तर-पूर्व व उससे लगे छत्तीसगढ़ में ऊपरी हवा का चक्रवाती घेरा बना हुआ है। जिससे प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है।

दोस्तों के साथ घुमने गया युवक की नहर में डूबने से हुई मौत

धमतरी। जिले के रूद्री बैराज में देर शाम एक युवक का शव मिला। सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर घटना की जांच में जुट गई है। बता दे कि कांकेर के कोदगांव निवासी भावेश देवांगन 20 वर्ष शनिवार सुबह 10 बजे अपने मित्र यशवर्धन निवासी संजय नगर कांकेर और उमाशंकर निवासी सिंगारभाट के साथ कोदागांव से मोटर साइकिल पर निकला था। तीनों दोस्त धमतरी पहुंचे थे। यहां वे अपनी रिया नाम की फ्रेंड से मिले, जो कांकेर की रहने वाली है और धमतरी में कोचिंग कर रही है। इसी दौरान उनके दो और मित्र विकास निवासी कांकेर और एक अन्य युवक यानिस भी वहां आए। कुछ देर बातचीत के बाद पांचों दोस्त रूद्री बैराज से निकलने वाले नहर में चले गए। शनिवार रात तक भावेश के वापस घर नहीं लौटने के बाद उसके परिजनो ने उसे फोन किया, लेकिन उसका मोबाइल बंद था। पता तलाश शुरू की और उसके साथ गए दोस्तों से संपर्क किया।

विश्व के टॉप-5 धनकुबेरों में गौतम अडानी की हुई एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी दुनिया के सबसे अमीर लोगों की फोर्ब्स की लिस्ट में पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। अडानी की कुल नेट वर्थ 123.1 बिलियन डॉलर आंकी गई है।

उन्होंने ब्रेकशाइर हाथवे के वॉरेन बफेट को पीछे छोड़ते हुए यह स्थान हासिल किया। अब बफेट 121.7 बिलियन डॉलर की कुल अनुमानित नेट वर्थ के साथ छठे स्थान पर खिसक गए हैं। दुनिया के सबसे अमीर लोगों की फोर्ब्स की लिस्ट में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी आठवें स्थान पर हैं। इस तरह दुनिया के 10 सबसे रईस लोगों में दो भारतीय हैं। अंबानी की कुल नेट वर्थ 103.70 बिलियन डॉलर आंकी गई है।

Tesla और SpaceX के प्रमुख एलन मस्क इस लिस्ट में पहले स्थान पर हैं। उनकी कुल नेटवर्थ 269.70 बिलियन डॉलर आंकी गई है। जेफ बेजोस 170.2 बिलियन डॉलर की कुल संपत्ति के साथ दूसरे स्थान पर हैं। फ्रांस के बर्नार्ड अर्नाल्ट और उनके परिवार की कुल संपत्ति 166.8 बिलियन डॉलर आंकी गई है।

संपादकीय

कोरोना से जंग जारी

इसमें कोई शक नहीं कि कोरोना वैक्सीन ने महामारी की रोकथाम की दिशा में बेहतर काम किया है। दुनिया के 5.12 अरब लोगों मतलब 66.7 प्रतिशत आबादी को टीके की कम से कम एक खुराक मिल चुकी है। दुनिया के 60 प्रतिशत लोगों का पूरी तरह से टीकाकरण हो चुका है और 24 प्रतिशत लोग बूस्टर डोज प्राप्त कर चुके हैं। यह भी अपने आप में रोचक है कि दुनिया में सबसे अव्वल संयुक्त अरब अमीरात में 99 प्रतिशत लोगों का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है, जबकि बुरुंडी और कोंगो जैसे देशों में एक प्रतिशत लोग भी पूरी तरह से टीकाधारी नहीं हुए हैं। भारत में 62 प्रतिशत लोगों को दोनों खुराक मिल चुकी है और लगभग दो प्रतिशत लोग बूस्टर खुराक वाले होने वाले हैं। भारत में इन दिनों एक ओर, कोरोना के बढ़ते मामलों की चर्चा है, वहीं दूसरी ओर, पांच साल से 11 साल के बच्चों को कोरोना वैक्सीन देने की तैयारी भी चल रही है। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया के विशेषज्ञ पैनल ने 5 से 11 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए वैक्सीन के आपातकालीन उपयोग की सिफारिश कर दी है। हैदराबाद स्थित फर्म बायोलॉजिकल-ई द्वारा विकसित कॉर्बेवैक्स कोविड-19 के खिलाफ भारत का पहला स्वदेशी रूप से विकसित आरबीडी प्रोटीन सब-यूनिट वैक्सीन है। गौर करने की बात है कि इस साल 16 मार्च से 12 से 14 साल के बच्चों को कॉर्बेवैक्स ही दिया जा रहा है। वैसे बच्चों के टीकाकरण में अमेरिका आगे चल रहा है। वहां बीते दिसंबर में ही पांच से ज्यादा उम्र के बच्चों का टीकाकरण शुरू हो गया था और जून महीने के बाद पांच साल से कम उम्र के बच्चों को भी टीका मिलने लगेगा। ब्रिटेन में पांच साल से ज्यादा उम्र के उन्हीं बच्चों को टीका लग रहा है, जो शारीरिक रूप से कमजोर हैं। भारत में बच्चों को टीका लगाना जरूरी हो गया है, क्योंकि स्कूल खुल चुके हैं और उनका टीकाकरण व्यापक रूप से जरूरी हो गया है। पिछले सप्ताह में कोरोना मामलों में वृद्धि हुई है और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अलावा अनेक इलाकों में मास्क की वापसी हो गई है। संक्रमण की इस नई वापसी को लेकर चिंता बनी हुई है। अभी एशिया और यूरोप के कई देशों में कोरोना की चौथी लहर ने तनाव पैदा कर रखा है। इस बार कोरोना के ओमीक्रोन बीए1, बीए2 और एक्सई वेरिएंट्स के मामले ज्यादा हैं। मरीजों की स्थिति ज्यादा बिगड़ नहीं रही है, लेकिन संक्रमण की क्षमता बहुत ज्यादा है। संक्रमण तेजी से फैल रहा है, नतीजा यह है कि चीन ने अपने अनेक शहरों में लोगों को खिड़की खोलने से भी मना कर रखा है। कोरोना को कतई हल्के से नहीं लेना चाहिए। दुनिया में अपने लोगों को सबसे ज्यादा खुराक देने वाला चीन भी आश्वस्त नहीं है, उसे 3.32 अरब खुराक के इस्तेमाल के बावजूद बेहद कड़े लॉकडाउन की जरूरत पड़ गई है, तो संक्रमण के खतरे को समझा जा सकता है। अपने लोगों को सबसे ज्यादा खुराक देने के मामले में भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर है। 1.87 अरब खुराक देने वाले भारत को कतई आश्वस्त नहीं होना चाहिए। कोरोना विचित्र बीमारी है, वैज्ञानिक अभी भी इसे पूरी तरह पहचान नहीं पा रहे हैं। इंग्लैंड में एक व्यक्ति 505 दिनों तक कोरोना पॉजिटिव रहने के बाद दुनिया से गया है। यह कैसी महामारी है, लोगों को अलग-अलग शिकंजे में जकड़ रही है। अत: इस जंग को अभी खत्म न मानते हुए वैज्ञानिक अनुसंधान, दवा व वैक्सीन विकास पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है।

> अपने लोगों को सबसे ज्यादा खुराक देने के मामले में भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर है। 1.87 अरब खुराक देने वाले भारत को कतई आश्वस्त नहीं होना चाहिए। कोरोना विचित्र बीमारी है, वैज्ञानिक अभी भी इसे पूरी तरह पहचान नहीं पा रहे हैं। इंग्लैंड में एक व्यक्ति 505 दिनों तक कोरोना पॉजिटिव रहने के बाद दुनिया से गया है।

हंसने से अधिक पवित्र कुछ नहीं

आजकल हास्य और व्यंग्य का मतलब हो गया है, राजनीतिकों पर टिप्पणी करना या दूसरों का मखौल उड़ाना। दूसरों की कमियों का मजाक उड़ाकर अगर आप खुश होते हैं, तो यह स्वस्थ रवैया नहीं है। हंसी आपके आंतरिक आनंद से उपजनी चाहिए, दुर्भावों से नहीं। चुटकुलों में भी हिंसा होती है, और विशुद्ध हास्य के अहिंसक चुटकुले भी हो सकते हैं। ओशो ने अपने प्रवचनों में हास्य को प्रतिष्ठित किया है। उन्होंने मुल्ला नसरुद्दीन के सूफी किरदार को फिर से जिंदा किया, क्योंकि उन्होंने देखा कि लोग बड़े गंभीर हो गए हैं। गंभीर लोग स्वस्थ नहीं हो सकते। नसरुद्दीन उन औलियाओं में से हैं, जो अपने आप पर हंस सकते हैं। वह खुद की खिल्ली उड़ाकर लोगों की कमियां दिखाते थे। जैसे उन्होंने अपनी कब्र खुद डिजाइन की थी। उस पर सिर्फ दरवाजा है, कोई दीवार नहीं; और दरवाजे पर ताला लगा है। यह एक व्यंग्य है मनुष्य पर, मौत से बचने की उसकी कमजोर कोशिशों पर। इस विशुद्ध, मासूम हास्य को 'सेंस ऑफ ह्यूमर' कहते हैं, यानी विनोद बुद्धि। यह एक निर्मल बुद्धि है, जो हरेक बात का उजला पहलू देखती है। ऐसी बुद्धि ही घटनाओं में छिपा व्यंग्य या हास्य को देख सकती है। जीवन को गंभीरता से बचाना हो, तो यह नितांत आवश्यक है। ओशो कहते हैं कि हंसी से ज्यादा पवित्र कुछ भी नहीं। हंसी आपको प्रार्थना के सबसे करीब लाती है। जब आप समग्र होते हैं, तब अहं का बोझ उतर जाता है, केवल हंसी बचती है। डॉक्टरों की खोज है कि खिलखिलाकर हंसना, ठहाके मारना, लोट-पोट होना इत्यादि क्रियाएं स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायी हैं। आधुनिक विज्ञान भी कहता है, अकारण हंसना आरोग्य की कुंजी है। अगर लोगों के बीच का फासला कम करना हो, तो दिल खोलकर हंसिए। यह न भूलें कि हंसना हमारे मनुष्य होने का सुबूत है, कंप्यूटर कितना ही बुद्धिमान क्यों न हो, हंस नहीं सकता। हास्य एक आंतरिक जॉगिंग है। दिलदार हंसी आपके चेहरे की मांसपेशियों, सांसों और पेट का बेहतरीन व्यायाम कराती है।

> पिछली एक सदी में दुनिया काफी बदली है। खासकर उन देशों में, जहां लोकतंत्र और उसकी संस्थाओं ने अपने पैर मजबूती से जमाए हैं। लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यही होती है कि वह अपने भीतर किसी भी तरह के विरोध को अभिव्यक्त होने और उसे संगठित होकर छा जाने के पूरे अवसर देता है। फ्रांस के नौजवान जब सरकार की नीतियों से असंतुष्ट होते हैं और बदलाव की बेचैनी उन्हें परेशान करती है, तो मैक्रों को हराने के लिए बड़े पैमाने पर मतदान करते हैं।

नौजवान कंधों पर कितनी सियासत

हरजिंदर, वरिष्ठ पत्रकार

इस पूरे महीने देश के विभिन्न हिस्सों में जो उथल-पुथल दिखी, उसका चेहरा पूरी तरह से युवा था। वे लोग, जो जुलूसों में तलवारें और कई दूसरे हथियार लहरा रहे थे, वे भी युवा थे और वे, जो अपत्तिजनक नारे लगा रहे थे, वे भी युवा थे। तमाम मामलों में पुलिस ने जिन लोगों को गिरफ्तार किया, वे भी युवा ही हैं। हम चाहें, तो इस सबके लिए कुछ राजनीतिक दलों, संगठनों और गुटों को दोष दे सकते हैं, साथ में यह तर्क भी नत्थी किया जा सकता है कि इन सबके नेता नौजवान नहीं हैं और नौजवानों के जरिये वे बस अपना उल्लू सीधा कर रहे हैं, लेकिन सड़कों पर अपनी आक्रामकता दिखाने के लिए उन्हें इस संख्या में युवा उपलब्ध हो रहे हैं, तो मामला और भी गंभीर हो जाता है। इसी से जुड़ा एक सवाल यह है कि ऐसे नौजवान कुछ खास तरह की ताकतों को ही क्यों उपलब्ध हो रहे हैं?

इसका एक दूसरा पहलू देखने के लिए हमें फ्रांस जाना होगा, जहां पिछले दिनों दूसरी बार राष्ट्रपति चुनाव लड़ रहे इमैनुएल मैक्रों पहले चरण में आगे निकल गए। उस मतदान का जब आबादी के लिहाज से विश्लेषण किया गया, तो कई दिलचस्प बातें सामने आईं। यह पाया गया कि अगर सिर्फ नौजवानों के वोटों को गिना जाता, तो मैक्रों तीसरे नंबर पर आते। नौजवानों की पसंद मध्यमार्गी मैक्रों की जगह वाम व दक्षिण, दोनों तरफ के अतिवादी थे। इस पर टिप्पणी करते हुए एक पत्रिका ने लिखा कि इमेनुएल मैक्रों को उन लोगों ने पहले नंबर पर पहुंचाया, जिनके बाल या तो सफेद हो चुके हैं या फिर वे लोग, जिनके सिर से बाल विदा हो चुके हैं। फ्रांस दुनिया के उन देशों में से है, जहां आबादी का बड़ा हिस्सा अब नौजवानी की उम्र पार कर चुका है।

लेकिन फ्रांस अकेला ऐसा देश नहीं, जहां के युवा और पकी उम्र के लोग अपना राजनीतिक भविष्य बिल्कुल अलग-अलग तरह से देख रहे हैं। जर्मनी, इटली और स्पेन जैसे तमाम देशों के चुनावों में यही रुझान दिखा है। कुछ हद तक अमेरिका और ब्रिटेन में भी यही हुआ है। डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव हारने के बाद जिन लोगों ने कैपिटोल हिल पर धावा बोला था, उनकी उम्र का विश्लेषण भी ऐसी ही कहानी कहता है।

इसमें कोई हैरत की बात भी नहीं है। जो सरकार से मिल रही पेंशन पर निर्भर हैं, जिन्हें तरह-तरह की किस्तें भरनी हैं या जिन पर परिवार की दूसरी जिम्मेदारियों का बोझ है, उनकी सोच उस नई उम्र की नई फसल से अलग होगी ही, जिनके अंदर कई तरह की बेचैनियां हैं और जिनका अभी दुनियादारी से ज्यादा पाला नहीं पड़ा है। यह हमेशा ही होता रहा है।

एक सदी पहले, जब दुनिया वामपंथ की ओर बढ़ती दिखाई दे रही थी, तब पूरी दुनिया और खासकर यूरोप में एक

चुटकुला चलता था। चुटकुला यह था कि 18 साल की उम्र तक अगर कोई वामपंथी न हो जाए, तो उसे डॉक्टर यानी मनोचिकित्सक को दिखाना चाहिए, और अगर कोई 50 साल की उम्र के बाद वामपंथी हो जाए, तो उसे भी डॉक्टर को दिखाना चाहिए। यह भी कहा जाता रहा है कि क्रांतियां नौजवान कंधों पर सवार होकर ही सत्ता पर काबिज होती हैं। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भी यही कथानक पढ़ा जा सकता है। आजादी के बाद हुए संपूर्ण क्रांति आंदोलन को तो खैर पूरी तरह युवा आंदोलन ही माना जाता है।

पिछली एक सदी में दुनिया काफी बदली है। खासकर उन देशों में, जहां लोकतंत्र और उसकी संस्थाओं ने अपने पैर मजबूती से जमाए हैं। लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यही होती है कि वह अपने भीतर किसी भी तरह के विरोध को अभिव्यक्त होने और उसे संगठित होकर छा जाने के पूरे अवसर देता है। फ्रांस के नौजवान जब सरकार की नीतियों से असंतुष्ट होते हैं और बदलाव की बेचैनी उन्हें परेशान करती है, तो मैक्रों को हराने के लिए बड़े पैमाने पर मतदान करते हैं। उनके वोट या तो अति-राष्ट्रवादी दक्षिणपंथी पार्टी की झोली में जा गिरते हैं या फिर वे उन समाजवादियों की तरफ आकर्षित होते हैं, जिन्होंने पश्चिमी यूरोप की राजनीति में अपने लिए अभी भी जगह बचाकर रखी है। समय-समय पर विभिन्न मांगों को लेकर वे आंदोलनों और प्रदर्शनों का हिस्सा भी बनते हैं, लेकिन वे तलवारें लहराते हुए सड़कों पर नहीं निकलते। तब भी नहीं, जब तमाम कोशिशों के बावजूद इमैनुएल मैक्रों को सत्ता से बाहर करने में नाकाम रहते हैं। वे किसी समुदाय के खिलाफ नारे नहीं लगाते, न ही किसी इमारत पर झंडा फहराने का क्षणिक सुख हासिल करने की कोशिश करते हैं। उनकी सक्रियता फ्रांस के चेहरे पर चिंता की लकीर बनकर नहीं उभरती।

फ्रांस के कुलजमा नौजवानों की संख्या इतनी नहीं है कि अपने वोटों के बल पर वे सरकार बदल सकें। फिर भी उनमें कोई ऐसा असंतोष नहीं उपजता कि वे लोकतंत्र से अलग किसी ज्यादा आक्रामक रास्ते को आजमाने की कोशिश करें। इसके विपरीत हमारे यहां पूरी आबादी में नौजवानों की संख्या इतनी अधिक है कि वे अपने बूते पर किसी भी सरकार को गिरा सकते हैं और किसी को भी सत्ता में बिठा सकते हैं। ऐसा वे कर भी रहे हैं। फिर भी, तलवारें लहराते हुए उनका सड़कों पर निकलना हमारी पूरी व्यवस्था और समाज की कुछ बड़ी गड़बड़ियों की ओर इशारा करता है।

अमेरिका, यूरोप और तमाम दूसरे देशों की ओर देखकर हम अक्सर यह कहते हैं कि दुनिया अब दक्षिणपंथ की ओर जा रही है। लेकिन किसी भी लोकतंत्र में दक्षिणपंथ का वैसा तेवर नहीं दिखता, जैसा इस समय हमारे यहां दिख रहा है। ऐसा पहले भी यदा-कदा दिखता था, लेकिन तब वह हाशिये पर था, लेकिन अब यह मुख्यधारा में अपनी जगह बना चुका है और हर दूसरे दिन एक नए रूप में हाजिर हो जाता है। यह सब ऐसे दौर में हो रहा है, जब इसे शह देने की व्यवस्थाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं और इसे मात देने के उपक्रम ज्यादा नजर नहीं आ रहे। आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा देश आखिर एक विष के विस्तार के सामने असहाय क्यों दिख रहा है? और हां, यह देखना भी जरूरी है कि जिस दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने पर हम इतना गर्व करते हैं, उसके लिए अभी कितना कुछ करना शेष है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था की ओर तेजी से बढ़ते हम

जयंतीलाल भंडारी, अर्थशास्त्री

कोविड-19 और यूक्रेन संकट की चुनौतियों के बीच पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में भारत का उत्पाद निर्यात 419.65 अरब डॉलर और सेवा निर्यात 249.24 अरब डॉलर के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंचना इस बात का संकेत है कि अब भारत निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। उल्लेखनीय है कि वित्त वर्ष 2020-21 में भारत का उत्पाद निर्यात 292 अरब डॉलर और सेवा निर्यात 206 अरब डॉलर था। यह कोई छोटी बात नहीं है कि रूस-यूक्रेन संघर्ष के बीच वर्ष 2021-22 में भारत से करीब 75 लाख टन गेहूं निर्यात के बाद अब हमारा देश दुनिया के प्रमुख खाद्यान्न निर्यातकों में उभरता दिख रहा है।

इस समय भारत का तेजी से बढ़ता निर्यात ग्राफ इस बात का प्रतीक है कि भारतीय उत्पादों की मांग दुनियाभर में बढ़ रही है और भारतीय अर्थव्यवस्था में निर्यात की ऊंचाई के संकेत लगातार उभर रहे हैं। वित्त वर्ष 2021-22 में सबसे ज्यादा उत्पाद निर्यात अमेरिका को किया गया। संयुक्त अरब अमीरात, चीन, बांग्लादेश और नीदरलैंड को भी बड़े पैमाने पर निर्यात किए गए। आयातक देशों ने कोविड-19 के बीच पेट्रोलियम उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, इंजीनियरिंग उत्पाद, चमड़ा, कॉफी, प्लास्टिक, रेडीमेड कपड़े, मांस व दुग्ध उत्पाद, समुद्री उत्पाद, तंबाकू आदि खूब आयात किए। अब भारत अधिक मूल्यवृद्धित और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों का निर्यात भी करने लगा है।

निर्यात में इस तेजी से कई कारण हैं। देश में कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के बीच विनिर्माण क्षेत्र को लॉकडाउन से बाहर रखने के कारण उत्पादन में गतिरोध नहीं आया। देश के आईटी विशेषज्ञ देश के कोने-कोने से आउटसोर्सिंग और सॉफ्टवेयर निर्यात की कमाई को ऊंचाई पर पहुंचाते रहे। देश में कॉरपोरेट कर की दर घटाई गई। एमएसएमई की परिभाषा को सुधारा गया, ताकि कई मध्यम आकार की इकाइयों को भी इसका लाभ मिले। ढांचागत व्यवस्था में किए गए सुधार से भारत को वैश्विक मूल्य शृंखला से जुड़ने में मदद मिली और भारत में सामान बनाने वाले निर्यातकों को सस्ते श्रम की तलाश में देश के दूरदराज तक

पहुंचने में सरलता हुई। दुनियाभर में तेजी से बदलती यह धारणा भी लाभप्रद रही है कि भारत उत्पाद निर्यात के लिहाज से एक बढ़िया प्लेटफॉर्म है। कोविड-19 के कारण चीन के प्रति बढ़ती नकारात्मकता के बीच भारत ने कोरोना से लड़ाई में सबके प्रति सहयोगपूर्ण रवैया अपनाकर पूरी दुनिया में प्रतिष्ठा बढ़ाई। इन्हीं विशेषताओं के कारण भारत ने वैश्विक व्यापार व निर्यात के नए मौके भी मुट्ठियों में किए। हालांकि, वर्ष 2021-22 में निर्यात के ऐतिहासिक लक्ष्य की प्राप्ति के बाद देश को निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था बनाने के लिए हमें कई बातों पर ध्यान भी देना होगा। देश को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ना होगा। देश में श्रमिकों की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए उन्हें कौशल विकास प्रशिक्षण से दक्ष बनाना होगा। निर्यात के लिए बाजार ढूंढ़ने होंगे। देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) बढ़ाने होंगे। मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) पर खास ध्यान देना होगा।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022-23 के बजट के तहत सेज की नई अवधारणा और सेज को उपयोगी बनाने हेतु इसके नियमों में आमूलचूल परिवर्तन से अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए बड़े पैमाने पर विनिर्माण किया जा सकेगा। इससे देश को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने और देश से तेजी से निर्यात बढ़ाने की डगर सरल हो जाएगी। साथ ही, प्रभावी निर्यात प्रोत्साहनों से भारत दुनिया का प्रमुख निर्यातक देश और विभिन्न वैश्विक औद्योगिक जरूरतों की आपूर्ति करने वाले मददगार देश के रूप में दिखाई दे सकेगा। चूंकि देश के कुल निर्यात में एमएसएमई क्षेत्र का योगदान करीब 45 फीसदी है और इस क्षेत्र से निर्यात बढ़ने की नई संभावनाएं दिख रही हैं, इसलिए इस क्षेत्र में निर्यात बढ़ाने के लिए ग्लोबल मार्केट इंटेलीजेंस नेटवर्क की स्थापना से लाभ मिलेगा।

हम उम्मीद कर सकते हैं कि ऐसे विभिन्न रणनीतिक प्रयासों से भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की उस महत्वपूर्ण रिपोर्ट को साकार किया जा सकेगा, जिसमें कहा गया है कि बड़े बाजारों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को अंतिम रूप देने, निर्यात उत्पादों पर शुल्क और छूट योजना के विस्तार, वैश्विक कंपनियों को आकर्षित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ते हुए भारत वर्ष 2030 तक 1,000 अरब डॉलर के उत्पाद के निर्यात का लक्ष्य हासिल कर सकता है। भारत की अर्थव्यवस्था पांच ट्रिलियन डॉलर पर पहुंचने की जो प्रबल संभावना जताई गई है, उसके मद्देनजर देश को मैन्युफैक्चरिंग हब और निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था बनाने की रणनीति अहम होगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

भुखमरी के भय से मिली मुक्ति

जब सरकार ने मुफ्त अनाज देने की घोषणा की थी, तब लगा कि यह थाली बजाने जैसा शिगूफा ही है। लंबे समय तक शहर में रह जाने पर गांव से निकले लोगों का भी यथार्थ बोध छीज जाता है। दुर्योगवश कुछ महीने गांव में रहना पड़ा। मुफ्त अनाज योजना का असली असर तब दिखा। आसपास के गांवों में अनाज वितरण को लेकर जो देखा-सुना, उसे देखते हुए यही महसूस हुआ कि इस योजना की वजह से एक बड़ी आबादी भुखमरी के भय से मुक्त हुई है। चुनाव के दौरान और बाद कुछ लोग ऐसे तंज करते दिखे, जैसे सरकार कोई भीख दे रही है या जनता अनाज पर बिक गई। पर मेरा यकीन है, ऐसे तंज करने वाले ज्यादातर मध्यमवर्गीय लोग अपनी वास्तविकता और अपने परिवार का इतिहास भूल चुके हैं। अगर वे याद करेंगे, तो उन्हें अपने घर-परिवार में भूख का वही डर एक-दो पीढ़ी पहले दिख जाएगा। शहर में आकर ऐसे-वैसे कामों से चार पैसे कमाकर सुर्खरू बनना हल्कापन है, अक्लमंदी नहीं। यहां यह गलती से भी न कहिएगा कि आपके बाप-दादा के यहां दूध-दही की नदियां बहती थीं। अगर ऐसा था, तो समझिए कि सामंती-वर्गीय व्यवस्था में वे दूसरों की हकमारी के साधन रहे होंगे।

रंगनाथ सिंह

मुफ्तखोरी आलसी बनाती है

बात कुछ पुरानी है। मेरा एक गढ़वाली मित्र मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया में रहता है, और वहां की नागरिकता ले चुका है। साल 2004 में जब मैं उससे मिला, तब वह एक भारतीय रेस्तरां में शेफ था और हफ्ते के 2,000 डॉलर कमाता था। कुछ दिनों पहले ही शादी हुई थी। 2016 में उससे दोबारा मिला, तो उसके तीन बेटे और दो बेटियां थीं। घर और दो कारें भी उसने खरीद ली थीं। जिज्ञासावश मैंने पूछा, रेस्टोरेंट ही खरीद ली क्या? उसका जवाब था, अब मैं कोई काम नहीं करता। चूंकि अब मैं बेरोजगार हूं, इसलिए सरकारी नियमों के मुताबिक मुझे प्रत्येक बच्चे के भरण-पोषण के लिए 500 डॉलर प्रति सप्ताह मिलते हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं भी मुफ्त हैं। 800 डॉलर प्रति सप्ताह बेरोजगारी भत्ता भी मिलता है। काम करूंगा, तो मुश्किल से 3,000 डॉलर हफ्ते के मिलेंगे, टैक्स और देना पड़ेगा, इसलिए मैं अब कुछ नहीं करता। मतलब साफ था कि वह अब ऑस्ट्रेलिया के लोगों के टैक्स से मजे ले रहा था। इसका यही अर्थ है कि जब बिना किसी काम के सब कुछ मुफ्त मिलेगा, तो फिर आप उस लाभार्थी से काम की अपेक्षा मत कीजिए।

विवेक यादव

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे

9827806026, 786962023

COMMERCE GURU
"सफलता का गुरु मंत्र"
Specialized Institute for...
CA Chartered Accountant
CMA Cost & Management Accountant
B.Com Bachelor of Commerce
11th/12th Commerce Class
BBA Bachelor of Business Administration
www.commerceguru.in @commerceguru
commerceguru2011@gmail.com
35,Gourav Path, Sundar Nagar,Bhilai
+91 9644454810
+91 9644454810

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

23 ट्रेनों को कैंसिल करना मोदी सरकार का जनविरोधी कदम -कांग्रेस

रायपुर। राज्य से चलने वाली 23 ट्रेनों को कैंसिल करने पर कांग्रेस ने कड़ा विरोध जताया है।प्रदेश कांग्रेस के संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि यह मोदी सरकार का गैर जिम्मेदाराना रवैय्या और छत्तीसगढ़ की जनता को परेशानी में डालने वाला है।एक साथ 23 ट्रेनों को बन्दद्ध किया जाना बहुत ही अदूरदर्शिता पूर्ण निर्णय है।मोदी सरकार लगातार अपने जनसरोकारो से मुंह मोड़ रही है।मोदी सरकार रेलवे को निजीकरण की ओर ले जाने का लगातार षड्यंत्र रच रही है। वह लोगो के बीच रेलवे को आलोक प्रिय और अप्रासंगिक बना कर निजीकरण के बाद विद्रोह कम होने का जुगत कर रही है।सरकार चाहती तो इन ट्रेनों को बन्द करने के पहले विकल्पिक व्यवस्था करती लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं किया गया ।जिन मार्गो पर ट्रेनों को बन्द किया गया वहा पर कुछ दूसरी ट्रेन चलेगी फिर शेष ट्रेनों को चलाने में क्या परेशानी होगी ?इतने लंबे समय तक इतनी ज्यादा संख्या में ट्रेन बन्द करने के बजाय रेलवे चाहता तो प्रति दिन कुछ समय निर्धारित कर मेन्टेन्स कार्य किया जा सकता था । कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि मेन्टेन्स का कार्य जब पिछले लगभग एक साल तक ट्रेनों का संचालन बन्द था कम ट्रेन चल रही थी तब क्यो नहीं किया ।ऐसे समय जब शादी व्याह में लोग अपने गांव रिश्तेदारी जाते है ।ट्रेनों पर यात्री दबाव ज्यादा है उसी समय क्यो किया गया ।यह ऑफसीजन में भी तो किया जा सकता था ।एक महीना क्यो अभियान चला कर एक सप्ताह में क्यो नहीं किया जा रहा ? कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि 23 ट्रेनों को एक महीने के लिए पूरी तरह से बन्द करने के मोदी सरकार के निर्णय से ही सवाल खड़ा हो रहा है।मोदी सरकार लगातार रेलवे सुविधाओ में कटौती कर रही है ।कोरोना काल मे देश भर की 60 फीसदी ट्रेनों को बन्द कर दिया था जिन्हें कोरोना की हालत सही होने के बाद लंबे अरसे तक भी शुरू नही किया गया था ।जिन ट्रेनों को शुरू भी किया उनको स्पेशल ट्रेन बता कर चालू किया गया जिसका किराया 25 से 35 प्रतिशत बढ़ा दिया गया था जिसमे आज तक पूरी कटौती नही किया गया ।रेलवे द्वारा बुजुर्ग दिव्यांग नागरिकों को मिलने वाली सुविधा और छूट को भी बन्द कर दिया गया है।

सूचना प्रौद्योगिकी के शासकीय काम-काज में इस्तेमाल और इसके प्रभावी उपयोग का प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । शासकीय काम-काज में सूचना प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल और इसके प्रभावी उपयोग पर मंत्रालय महानदी भवन में एनआईसी की छत्तीसगढ़ इकाई में डीआईओ को प्रशिक्षण दिया गया। डीडीजी और राज्य समन्वयक श्री संजय कपूर ने डी.आई.ओ. तकनीकी विकास कार्यक्रम के तहत शुरू की गई विभिन्न गतिविधियों के क्रियान्वयन की एनआईसी राज्य इकाई रायपुर में गत दिनों समीक्षा की गई। इस कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक सेवा सचिव डॉ. के.पी. सिंह और एनआईसीसीजी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम में आईआईटी-भिलाई के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गगन राज गुप्ता द्वारा डिजिटल गवर्नेंस में एआई एप्लीकेशन, सिटीजन फ्रेंडली गवर्नेंस के लिए डेटा एनालिटिक्स और आईआईएम-रायपुर के आईटी एंड सिस्टम् के प्रोफेसर डॉ सुमित गुप्ता द्वारा सरकारी प्रणालियों के लिए ब्लॉकचेन के निर्माण पर व्याख्यान दिया।

इस मौके पर राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी डॉ अशोक कुमार होता ने एनआईसी छत्तीसगढ़ जिला केंद्रों द्वारा शुरू की गई विभिन्न आईसीटी गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। एआई, डेटा एनालिटिक्स, आरपीए, एआर/वीआर आदि जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के उपयोग पर विचारों की प्रस्तुति दी गई। ई-गवर्नेंस मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान, एनीमिया मुक्त भारत अभियान, मिडडेमिल योजना, छात्र उपस्थिति आदि जैसी ई-गवर्नेंस परियोजनाओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (इमेज प्रोसेसिंग) के उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन राज्य सूचना विज्ञान केंद्र के तकनीकी निदेशक श्री सत्येश कुमार शर्मा ने किया । डॉ के.पी. सिंह, आईएएस, सचिव द्वारा डीआईओ की एमडब्ल्यूआर प्रणाली का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि एमडब्ल्यूआर प्रणाली का उद्देश्य अधिकारियों को अपनी तकनीकी गतिविधियों, शासन सेवाओं, ज्ञान वृद्धि, अनुसंधान और प्रकाशन में शामिल होने की स्वतंत्रता प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि डी.आई.ओ. और एडीओ के लिए एक मासिक कार्य रिपोर्टिंग प्रणाली शुरू करके, एक आत्म-मूल्यांकन के लिए एक मंच बनाया गया है। इससे व्यक्तिगत स्तर पर योजना बनाने में मदद मिलेगी और लक्ष्यों की उपलब्धि सुनिश्चित होगी।

इस अवसर पर टेली प्रैक्टिस पर ज्ञान आधारित प्रस्तुति और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग और उभरती प्रौद्योगिकियों पर आधारित प्रश्नोत्तरी पर श्री ए.के.सोमशेखर, वैज्ञानिक एफ प्रस्तुति दी गई। इसके अलावा प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया।

जन जागरूकता कार्यक्रमों से मलेरिया केसों आई कमी - डॉ. राय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाये गए जन जागरूकता कार्यक्रमों के कारण मलेरिया के केसों में काफी कमी आई है। मलेरिया की बीमारी मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से होती है। आमतौर पर बारिश के मौसम में मलेरिया के केस अधिक पाए जाते हैं। इसका सामान्य सा कारण बारिश का पानी अधिक दिनों तक आसपास के गड्ढे में जमा होना है।

मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी डॉ. विमल किशोर राय ने बताया, ''राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत किए जा रहे प्रयासों के फलस्वरूप रायपुर मलेरिया उन्मूलन लक्ष्य की ओर अग्रसर है। वर्ष 2030 तक राज्य को मलेरिया मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए किए जा रहे प्रयासों से वर्ष 2000 में जहां जिले में 1,414 मलेरिया के प्रकरण मिले थे, वही 2021 में अब यह मामले घटकर 4 रह गए हैं । यह सफलता जन जागरूकता के तहत चलाए गए कार्यक्रमों से संभव हो पायी है। मलेरिया मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने की वजह से होता है। इसमें रोगी को बुखार, सिर दर्द होना शुरू हो जाता है। कभी यह बुखार कम होता है तो कभी बहुत तेज हो जाता है।'' मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.मीरा बघेल ने बताया, ''जिले में दो प्रकार के मलेरिया परजीवी पाये गए है। प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम,और प्लास्मोडियम विवैक्स, जिसमें प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम अधिक घातक होता है।

इसके लिए विभाग द्वारा समय-समय पर स्पेशल ड्राइव चलाकर जन जागरूकता के कार्य किए जाते हैं ताकि लोगों को मलेरिया जैसी जानलेवा बीमारी से बचाया जा सके।अगर कोई व्यक्ति मलेरिया धनात्मक आता है तो उसे पूर्ण उपचार लेना चाहिए । शासकीय चिकित्सालयों में इसके लिए निशुल्क उपचार की व्यवस्था है।''

टीबी मुक्त दल्ली राजहरा, सपना हमारा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दल्लीराजहरा। केंद्रीय सरकार एवं राज्य सरकार की ओर से टीबी मुक्त भारत बनाने के लिए एक अभियान चलाया जा रहा है । जिसके तहत दल्ली राजहरा में शहीद अस्पताल का सहयोग लिया जा रहा है। शहीद अस्पताल दल्ली राजहरा के कर्मचारी एवं नर्सों के द्वारा पूरे उत्साह एवं जिम्मेदारी के साथ संभावित मरीजों की बारीकी से सर्वे अभियान जारी है।

जिसके तहत वार्ड नंबर 11 में घर- घर जाकर शहीद अस्पताल के कर्मचारियों एवं नर्सों के द्वारा जानकारी लिया जा रहा है। एक वार्ड में लगभग 2 दिन का समय लग रहा है। इससे पूर्व वार्ड नंबर 18 एवं वार्ड नंबर 12 का सर्वे हो चुका है। जिसमें जिन व्यक्तियों के ऊपर लक्षण पाए गए हैं । उन संभावित व्यक्तियों को आगे जांच के लिए शहीद हॉस्पिटल भेजा गया है ।इस कार्यक्रम को अस्पताल की ओर से एक स्लोगन दिया गया है। टीबी मुक्त दल्ली राजहरा , सपना हमारा। कार्यक्रम में शहीद हॉस्पिटल के इंचार्ज डॉक्टर जाना एवं डॉक्टर विदित सहयोग कर रहे हैं। डॉक्टर जाना ने बताया कि यह सर्वे पूरे राजहरा नगर में किया जाएगा ।

उन्होंने राजहरा के सभी नागरिकों से अपील की है कि हमारे शहीद अस्पताल के नर्स एवं कर्मचारी आपके घर सर्वे में आएंगे । आपके या आपके परिवार के सदस्यों में यदि ऐसी कुछ भी लक्षण पाया जाता है। जो टीबी की संभावना दर्शाता है। तो आप इसे छुपाए नहीं हमें जानकारी अवश्य दें ।

जिला प्रशासन से अनुमति लेकर आंदोलन करने से भाजपा क्यों घबरा रही है?

भाजपा क्यों गुपचुप तरीके से आंदोलन करना चाहती है क्या मंशा है-कांग्रेस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य सरकार के द्वारा पूरे प्रदेश में धरना प्रदर्शन जुलूस रैली के लिए पहले से अनुमति लेना अनिवार्य करने का स्वागत करते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि राज्य सरकार के द्वारा धरना प्रदर्शन जुलूस रैली के आयोजन में किसी भी प्रकार से प्रतिबन्ध नही लगाया गया है बल्कि जिला प्रशासन से अनुमति लेने की पूर्व व्यवस्था को सख्ती से पालन करवा रही है तो भाजपा क्यो विरोध कर रही है ?जबकि यूपी में योगी सरकार तो इस तरह का आदेश पहले ही लागू कर चुकी है जिसका स्वागत भाजपा कर रही है।भाजपा का यही दोमुंही चाल है भाजपाशासित राज्यो में कोई आदेश व्यवस्था लागू हो तो स्वागत करती है और वही व्यवस्था गैरभाजपा शासित राज्यो में लागू हो तो विरोध करती है। ऐसे में भाजपा की मंशा पर सवाल उठता है आखिर जिला प्रशासन से अनुमति लेकर धरना प्रदर्शन आंदोलन करने से क्यों घबरा रही है ?भाजपा गुपचुप तरीके से जिला प्रशासन को सूचना दिए बगैर आंदोलन क्यों करना चाहती है ?जिला प्रशासन से छिपाकर भाजपा आंदोलन के माध्यम से आखिर अपने किस काले मंसूबे को पूरा करना चाहती है ?भाजपा क्या आंदोलन में हथियार लहराकर डराने धमकाने की राजनीति करना चाहती है या ऐसे आंदोलन का समर्थन करती है ?लोकतांत्रिक तरीको से हर कोई अपना आयोजन कर सकता है आयोजनकर्ता को आयोजन के पहले स्थान समय की जानकारी आंदोलन में शामिल लोगों की संख्या और न्यायालय के द्वारा ध्वनि यंत्रो के लिए तय मापदण्ड का पालन करने एवं आयोजन में कोई हथियार का उपयोग नही करने की सहमति के साथ जिला प्रशासन से अनुमति लेनी होगी है। ताकि किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति निर्मित ना हो कानून व्यवस्था बिगड़े नही आमजनता को असुविधा न हो।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि 15 साल के रमन भाजपा शासनकाल में लोकतंत्र की हत्या होते रही है ।उस दौरान तो शादी ब्याह में बारात निकालने से पहले परमिशन लेना पड़ता था बिना अनुमति बारात निकालने पर पुलिस आकर कार्यवाही करती थी ।रमन सरकार ने तो हमारी नर्स बहनों को मासूम बच्चों के साथ जेल में बंद किया था बाथरूम शौचालय के दरवाजों पर ताला लगवा दिया था शिक्षाकर्मी को सड़कों पर दौड़ा-दौड़ा कर पीटा था धमतरी में पानी मांग रहे किसानों के ऊपर लाठीचार्ज किया था जिसमें एक किसान की मौत हो गई थी।

कोरबा, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा और गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही से बंद ट्रेनों को तत्काल शुरू करें - राजस्व मंत्री अग्रवाल

राजस्व मंत्री ने डी.आर.एम. को दिये निर्देश

लोकल ट्रेनों का परिचालन बंद होने पर जतायी नाराजगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने बिलासपुर के एक दिवसीय प्रवास पर थे। इस दौरान सर्किट हाऊस में बिलासपुर डी.आर.एम. आलोक सहाय से बंद ट्रेनों के परिचालन को पुनः प्रारंभ करने को लेकर चर्चा की।

उन्होंने कोरबा एवं गेवरा रोड स्टेशन से पूर्व में संचालित हो रही यात्री ट्रेनों को तत्काल शुरू करने के लिए कहा। राजस्व मंत्री अग्रवाल ने कहा कि कोरबा से भिलाई के बीच चलने वाली लोकल मेमू व पैसेंजर गाड़ियों को रेलवे द्वारा बन्द कर देने की वजह से आम यात्रियों को बड़ी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों के समय और पैसों की बर्बादी हो रही है। रेल प्रशासन द्वारा लंबित रखी गई यात्री ट्रेनों को तत्काल चलाए जाने को लेकर कोरबा के आम नागरिक कई बार रेलवे को ज्ञापन भी दे चुके हैं। राजस्व मंत्री भी इस संबंध में महाप्रबंधक रेलवे को पत्र लिख चुके हैं। इसके बावजूद अब तक रेलवे प्रशासन की ओर से निर्णय न लेने और ट्रेनों का परिचालन पुनः प्रारंभ न करने पर राजस्व मंत्री ने कड़ी नाराजगी जतायी।

राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कहा कि कोरबा अंचल से कोल परिवहन कर रेल प्रशासन द्वारा सालाना अरबों रूपये का राजस्व अर्जन किया जाता है, परन्तु सुविधा विस्तार न करते हुए पहले से प्राप्त हो रही सुविधाओं को रेलवे द्वारा बंद कर दिया गया है। यह क्षेत्रीय जनता की घोर उपेक्षा है। लोगों में रेल प्रशासन के प्रति घोर नाराजगी है।

मंत्री अग्रवाल ने डी.आर.एम बिलासपुर को एक सप्ताह के भीतर निर्णय लेकर अवगत कराने के लिए कहा है। इस महत्वपूर्ण बैठक में राजस्व मंत्री के साथ अन्य जन प्रतिनिधियों के अलावा बिलासपुर निगम के महापौर रामशरण यादव, कोरबा के प्रतिष्ठित व्यवसायी व रेल संघर्ष समिति से मुरलीधर माखीजा, कमलेश यादव, किशोर शर्मा, राकेश वास्तव, कोरबा जिला उद्योग संघ व अग्रवाल महासभा के अध्यक्ष कांत बुधिया और बिलासपुर कलेक्टर सारांश मित्तर विशेष रूप से मौजूद रहे।

नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. डहरिया ने मरीन ड्राइव का किया आकस्मिक निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा श्रम मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया आज यहां रायपुर मरीन ड्राइव का आकस्मिक निरीक्षण किया। मंत्री डॉ. डहरिया ने वहां की अव्यवस्था को देखकर अधिकारियों के ऊपर अपनी कड़ी नाराजगी जाहिर की और नगर निगम एवं स्मार्ट सिटी के सभी कार्यों की विस्तृत जानकारी ली।

उन्होंने संबंधित एजेंसी की कार्य प्रणाली पर नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल नोटिस जारी करने और एक सप्ताह के भीतर ठीक न कर पाने की स्थिति में कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश अधिकारियों को दिए। मंत्री डॉ. डहरिया ने नाला निर्माण की धीमी गति को लेकर अप्रसंन्नता जतायी और निर्माण कार्य में तेजी लाने तथा इसे बरसात के पहले पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि यहां पर बड़ी संख्या में लोग मार्निंग वॉक और इवनिंग वॉक करने आते हैं, उन्हें होने वाली असुविधाओं को तत्काल दूर करने के भी निर्देश दिए। साथ ही साथ मुख्य मार्ग में केबल बिछाने के उपरांत हुए गड्ढों को तत्काल दुरूस्त करने को कहा। इस अवसर पर विधायक कुलदीप जुनेजा, महापौर एजाज ढेबर, पार्षद व एम आई सी सदस्य कुकरेजा सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

RKMG COMMUNITY
Chhattisgarh: India
We are looking for 15 franchisees in Chhattisgarh for RKMG Community
RKMG Community is in the following business :
1. Advertising.
2. E-Commerce (Selling Products and Services to Our Customers to Solve their problems).
3. Advance technology driven job portal.
4. India's First Social and Professional Media Platform.
5. Giving Franchisee (Helping Indians to earn regularincome through this Model).
6. It's a franchisee and not MLM
Rs. 5000 + GST Franchisee
Please search RKMG Community on any search engine for your understanding.
Pradeep Kumar
Mob. 7828463843, 9424121355

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

FANCY MATTRESS
30% से 50% लेस
किस्तों में ले जायें ।
तैयार मिलते है।
SOFA CUM BED बीन बैग
रुई गद्दा 200 से 2000/- तक
पुराना गद्दा लायें नया ले जाये।
हर साईज में, हर क्वालिटी में, हर बजट में उपलब्ध
संजय रुई भंडार
पंडरी मेन रोड, रायपुर
7987081626, 7987918262

खास खबर

छत्तीसगढ़ में बिना अनुमति के आंदोलन सहित अन्य आयोजनों पर लगी रोक

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ प्रदेश में धरना-प्रदर्शन और आंदोलनों का दौर तेज हो गया है। इसे देखते हुए सरकार ने बिना अनुमति के किसी भी तरह के निजी और सार्वजनिक आयोजन पर सख्ती करने का फैसला किया है। सरकार ने राज्य में धरना, जुलूस, रैली, प्रदर्शन, भूख हड़ताल के साथ ही सभी तरह के धार्मिक, सामाजिक और राजनैतिक आयोजनों के लिए पूर्व अनुमति अनिवार्य कर दी है। इस संबंध में गृह विभाग ने सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी किया है। इस तरह के आयोजनों के लिए 15 शर्तों के साथ अनुमति दी जाएगी। इसमें आयोजक को शर्तों का कठोरता से पालन करने का शपथ पत्र भी देना होगा। गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू के हस्ताक्षर से जारी इस आदेश में कहा गया है कि पहले इस तरह के आयोजनों के लिए जिला प्रशासन से अनिवार्य रुप से अनुमति ली जाती थी, लेकिन अब विधिवत अनुमति के बिना ही कार्यक्रम हो रहे हैं। इतना ही नहीं अनुमति प्राप्त करने के बाद आयोजन का स्वरूप में परिवर्तन कर देते हैं, जो सही नहीं है। ऐसी स्थिति में आम नागरिकों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा व्यावसायिक गतिविधियां भी प्रभावित होती है।

छत्तीसगढ़ में कोरोना टीकाकरण का आंकड़ा 4 करोड़ से पार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना टीकाकरण का आंकड़ा चार करोड़ को पार कर गया है। कोविड-19 से बचाव के लिए प्रदेश भर में अब तक कुल चार करोड़ 20 हजार 099 टीके लगाए गए हैं। इनमें से दो करोड़ 17 लाख 26 हजार 571 टीके प्रथम डोज के रूप में, दो करोड़ 78 लाख 27 हजार 071 द्वितीय डोज के रूप में और चार लाख 66 हजार 457 टीके प्रिकॉशन डोज के तौर पर लगाए गए हैं। प्रदेश में 18 वर्ष से अधिक की 86 प्रतिशत आबादी को कोरोना से बचाव का दोनों टीका लगाया जा चुका है। वहीं 15 वर्ष से 18 वर्ष के 50 प्रतिशत किशोरों को इसका दोनों टीका लगाया जा चुका है। प्रदेश में 12 वर्ष से 14 वर्ष के 45 हजार 661 बच्चों को भी दोनों टीका लगाया जा चुका है।

राज्य में 18 वर्ष से अधिक के एक करोड़ 69 लाख 65 हजार 270 नागरिकों और 15 वर्ष से 18 वर्ष के आठ लाख 16 हजार 140 किशोरों को कोरोना से बचाव के लिए टीके की दोनों खुराकें दी जा चुकी हैं।

'सुराजी गांव योजना' से मजबूत हो रही छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था: भूपेश बघेल

गांव के साथ-साथ शहरों की आर्थिक गतिविधियों में आ रही तेजी

कोरोना संकटकाल में भी 74 प्रतिशत लघु वनोपजों के संग्रहण के साथ देश में अग्रणी रहा छत्तीसगढ़

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए हमने विकास का ''छत्तीसगढ़ मॉडल'' अपनाया है। इस मॉडल में गांव के साथ-साथ शहरों के अर्थव्यवस्था को भी गतिशील बनाए रखने के साथ ही सभी वर्गों के समावेशी विकास पर जोर दिया गया है। सुराजी गांव योजना से एक ओर जहां छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है वहीं गांव के साथ-साथ शहरों की आर्थिक गतिविधियों में तेजी आ रही है।

श्री बघेल आज नवा रायपुर के एक निजी होटल में निजी चैनल द्वारा छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया थीम पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री बघेल का प्रकृति प्रेम और छत्तीसगढ़ की माटी से जुड़ाव की झलक भी सबले बढ़िया छत्तीसगढ़िया कार्यक्रम में दिखी। उन्होंने एंकर के अनुरोध पर कार्यक्रम के अंत में 'माटी होही तोर चोला रे संगी' और 'चोला माटी के हे रे एकर का भरोसा... चोला माटी के हे रे'..... गीत की पंक्तियां भी गुनगुनाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए हमने गोधन न्याय योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर योजना जैसी अनेक नवाचारी योजनाएं लागू की हैं, वहीं वनांचलों के विकास पर भी फोकस किया है। वनांचलों में समर्थन मूल्य पर लघु वनोपज की खरीदी की पुख्ता व्यवस्था की है। हमने समर्थन मूल्य पर खरीदे जाने वाले वनोपज की संख्या 7 से बढ़ाकर 65 कर दी है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में दर्जनों किस्म के लघु वनोपज होते हैं, दुर्लभ जड़ी-बूटियां होती हैं। हम इनके संग्रहण को प्रोत्साहित कर रहे हैं। आज हमारे यहां देश में सबसे ज्यादा लघु वनोपज इकट्ठा हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा लघु वनोपज के वैल्यू एडीशन की भी पहल की है। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिल रहा है। वनवासियों को तेंदूपत्ते का भरपूर लाभ दिलाने के लिए तेंदूपत्ते की संग्रहण दर 2500 रुपए मानक बोरा से बढ़ाकर 4000 रुपए मानक बोरा कर दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी नयी औद्योगिक नीति कृषि और वनोपज आधारित उद्योगों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। बड़े-बड़े उद्योगों की बजाए हमने छोटे-छोटे उद्योगों को प्राथमिकता दी है। हमने हर गांव को उत्पादक इकाइयों के रूप में विकसित करने का काम किया है, जहां कृषि और वनोत्पादों के वैल्यू एडीशन पर सबसे ज्यादा जोर दिया जा रहा है। पशुपालन को पुनर्जीवित करने के लिए हमने गोधन न्याय योजना की शुरुआत की, जिसमें 2 रुपए किलो में गोबर खरीदकर उससे जैविक खाद बना रहे हैं। यह काम स्व-सहायता समूहों की लाखों महिलाओं द्वारा किया जा रहा है। जैविक खाद का उपयोग खेतों में किया जा रहा है, जिससे रासायनिक खाद के उपयोग में कमी आई है। कृषि लागत कम हुई है और किसानों का लाभ बढ़ा है। जमीन की उर्वरा शक्ति भी लौट रही है।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की कुशल नीतियों के कारण कोरोना संक्रमण काल में देश के सर्वाधिक 74 प्रतिशत लघु वनोपजो का संग्रहण संभव हुआ। उन्होंने कहा कि सुराजी गांव योजना से खेतों के लिए सिंचाई का इंतजाम किया, खेतों की उर्वरता सुनिश्चित की, पशुधन का संरक्षण और संवर्धन सुनिश्चित किया, ग्रामीणों का पोषण सुनिश्चित किया और लाखों की संख्या में रोजगार के नये अवसरों का निर्माण किया। दो रुपए किलो में गोबर खरीदने और जैविक खाद बनाने से शुरु हुई हुई गोधन न्याय योजना आज एक मिशन के रूप में संचालित हो रही है। गांव-गांव में गोठान बनाकर उन्हीं गोठानों में इस योजना का संचालन किया जा रहा है। अब तक 10 हजार 500 से अधिक गोठानों के निर्माण की स्वीकृति दी जा चुकी है, जिनमें से 8 हजार 500 से अधिक गोठान सक्रिय हैं।

सफल प्रशासक बनने के लिए आपके मन में करूणा, स्नेह और आदर का भाव हो : सुश्री उइके

राज्यपाल सुश्री उइके ने 'अखिल भारतीय प्रशासनिक सम्मेलन' का किया शुभारंभ

'स्प्रिचुअलिटी फॉर एक्सीलेंस इन एडमिनिस्ट्रेशन' विषय पर शांति सरोवर में आयोजित हुआ सम्मेलन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के राजधानी रायपुर स्थित शांति सरोवर में प्रशासकों, कार्यपालकों और प्रबंधकों के लिए आयोजित अखिल भारतीय प्रशासनिक सम्मेलन का दीप प्रज्जवलित कर शुभारम्भ किया। आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर परियोजना के तहत राजयोग एजुकेशन एन्ड रिसर्च फाउंडेशन के प्रशासक सेवा प्रभाग द्वारा 'स्प्रिचुअलिटी फॉर एक्सीलेंस इन एडमिनिस्ट्रेशन' विषय पर यह सम्मेलन आयोजित किया गया।

राज्यपाल सुश्री उइके ने अपने संबोधन में कहा कि आज प्रशासनिक अधिकारियों व प्रबंधकों के लिए आयोजित यह सम्मेलन निश्चित ही उन्हें मार्गदर्शित करेगा। प्रशासक शासन व्यवस्था की धुरी है। प्रशासक जितना कुशल, उत्तरदायी, कर्मठ और ईमानदार होगा, प्रशासन उतना ही जिम्मेदार और सक्षम बनेगा। उन्होंने कहा कि सामान्य धारणा है कि वर्तमान प्रशासनिक व्यवस्था लोगों की आकांक्षाओं को पूर्ण करने में खरा नहीं उतर रहा है तथा लोगों में व्यवस्था को लेकर असंतुष्टता दिखाई देती है। इसका एक प्रमुख कारण नैतिक और मानवीय मूल्यों के अभाव को माना जा रहा है। प्रशासन को दक्ष बनाने के लिए नैतिक व मानवीय मूल्यों, आध्यात्मिक ज्ञान और सकारात्मक विचारों को प्रशासनिक कार्यप्रणाली का अंग बनाना होगा, जिससे वे लोक व देशहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

राज्यपाल सुश्री उइके ने कहा कि जन कल्याणकारी नीतियों के बेहतर क्रियान्वयन से समाज तथा देश का विकास संभव हो पाएगा। ऐसे में प्रशासक में संवेदनशीलता, करूणा एवं सद्भावना जैसे मानवीय मूल्य हों तो वे बड़ी सहजता से जनसमस्याओं को दूर कर उनमें खुशी का संचार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आप तभी सफल प्रशासक बन पाएंगे जब आपके मन में करूणा, स्नेह और आदर का भाव होगा। लोग बेझिझक आपसे अपनी बात कह पाएंगे, उन्हें अपनी समस्या का समाधान मिलेगा। लोग बहुत छोटी-छोटी समस्याओं को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों के पास आते हैं। आवश्यकता केवल इतनी है कि आप उनसे बात कर लें, उनकी समस्याओं को सुनें और नियम अनुरूप निर्णय से उन्हें लाभान्वित करें। इससे लोगों के बीच प्रशासक की स्वीकार्यता बढ़ेगी।

राज्यपाल सुश्री उइके ने विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहने के दौरान किए गए कार्यों का अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि हमें अपने अधिकारों से लोगों की मदद करनी चाहिए। मुझे राष्ट्रीय महिला आयोग, राष्ट्रीय जनजातीय आयोग जैसे महत्वपूर्ण निकायों में रहते हुए देश भर का भ्रमण कर महिलाओं और वंचितों को न्याय दिलाने का अवसर प्राप्त हुआ। इन कार्यों से मुझे आत्मसंतुष्टि की अनुभूति हुई और लोगों का असीम स्नेह मिला। राज्यपाल ने कहा कि इसीलिए मैं हमेशा कहती हूं कि प्रशासक को सरल सहज होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि संस्कृति का आधार हमारे संस्कार में हैं। जैसे संस्कार होते हैं उसी के अनुरूप हमारी संस्कृति बनती है। संस्कारों का सृजन कर्म से है और इंद्रियों को नियंत्रित करने वाली शक्ति आत्मा है। शक्तिशाली आत्मा से ही समाज और देश की संस्कृति महान बनती है। निश्चित ही सद्विचारों और नैतिक मूल्यों से मानवता की सेवा करने की भावना का सृजन होता है और आध्यात्म इस भावना को और बढ़ाता है। अगर हम आध्यात्मिकता का अपने जीवन में समावेश कर लें तो देश तो क्या संसार की सारी व्यवस्थाएं ठीक हो जाएंगी।

कृषि मंत्री चौबे ने अक्ती तिहार के लोगो और प्रचार फिल्म का विमोचन किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के कृषि मंत्री रविंद्र चौबे ने अपने निवास कार्यालय में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किए जाने वाले अक्ती तिहार के लोगो तथा प्रचार फिल्म का विमोचन किया। प्रचार फिल्म में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं कृषि मंत्री रविंद्र चौबे के वीडियो संदेश शामिल किये गये हैं। अक्ती तिहार अक्षय तृतीया के अवसर पर 3 मई 2022 को इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्थित सभी कृषि महाविद्यालयों एवं कृषि विज्ञान केंद्रों में आयोजित किया जाएगा। कृषि मंत्री चौबे ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ गिरीश चंदेल को अक्ती तिहार आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

उल्लेखनीय है कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के कृषि एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग, बीज निगम अन्य विभागों एवं संस्थाओं के सहयोग से छत्तीसगढ़ के प्रमुख त्यौहार अक्षय तृतीया के अवसर पर दिनांक 3 मई, 2022 को अक्ती तिहार व्यापक रूप से मनाया जाएगा। इस दिन विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित समस्त महाविद्यालयों, अनुसंधान केन्द्रों एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों सहित लगभग 60 स्थानों पर अक्ती तिहार कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। छत्तीसगढ़ शासन की सुराजी गांव योजना के अंतर्गत स्थापित उस जिले के प्रमुख गौठानों को भी इस कार्यक्रम से जोड़ा जाएगा। गौठान समितियां, स्व-सहायता समूहों की सहभागिता भी इस कार्यक्रम में सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर कृषकों, गौठान समितियों एवं स्व-सहायता समूहों के सदस्यों को विभिन्न खाद्यान - दलहन, तिलहन, सब्जी, चारा आदि फसलों के बीज एवं पौध सामग्री विश्वविद्यालय द्वारा विकसित एवं प्रचलित लघु कृषि यंत्रों तथा औजारों का विरण भी किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान कृषक प्रशिक्षण एवं कृषक संगोष्ठियों का आयोजन भी किया जाएगा जिसमें कृषकों की तकनीकी समस्याओं का निराकरण करने का प्रयास किया जाएगा।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य में अक्ती तिहार (अक्षय तृतीया पर्व) कृषि का एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। इस दिन से किसान आगामी फसलों हेतु कार्ययोजना बनाते हैं। वे अपने खेतों में जाकर आगामी फसल के लिए संग्रहित बीजों की पूजा अर्चना करते हैं और कुछ मात्रा में इन्हें उगाकर बीजों की अंकुरण क्षमता का परीक्षण भी करते हैं। अक्ती तिहार के अवसर पर किसान आगामी फसल अच्छी होने के लिए ईश्वर से प्रार्थना भी की जाती है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के इस महत्वपूर्ण कृषि पर्व को विश्वविद्यालय द्वारा वृहद रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

साउथ की हाईएस्ट पेड एक्ट्रेसेस

एक फिल्म के लिए सामंथा चार्ज करती हैं 8 करोड़ रुपए, रश्मिका मंदाना-पूजा हेगड़े भी लेती हैं मोटी रकम

साउथ फिल्म इंडस्ट्री तेजी से आगे बढ़ कर रही है। हिंदी भाषी दर्शकों को भी साउथ की फिल्मों का एक्शन और कहानियां बहुत पसंद आती हैं। पिछले कुछ समय में बाहुबली, पुष्पा जैसी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर अपना दम खूब दिखाया है। यही वजह है कि अब साउथ इंडस्ट्री में सिर्फ एक्टर का ही बोलबाला नहीं है बल्कि एक्ट्रेसेस भी फिल्मों में अपने दमदार अभिनय का खूब जलवा दिखा रही हैं। आज हम बात करेंगे ऐसे ही कुछ साउथ फिल्म इंडस्ट्री की एक्ट्रेसेस, जो अपनी फिल्मों के लिए सबसे ज्यादा फीस लेती हैं-

सामंथा

सबसे ज्यादा फीस चार्ज करने के लिस्ट में पहले नंबर पर सामंथा रुथ प्रभु का नाम है। हाल ही में पुष्पा के आइटम सॉन्ग के लिए ऐक्ट्रेस ने 5 करोड़ रुपए चार्ज किए थे। इस आइटम सॉन्ग के बाद चर्चा में रहीं सामंथा ने अपने फीस बढ़ा दी है। सामंथा अपनी फिल्मों के लिए करीब 3 से 8 करोड़ रुपए चार्ज करती हैं।

नयनतारा

तमिल, तेलुगू और मलयालम फिल्मों में नजर आनी वाली नयनतारा सबसे ज्यादा फीस चार्ज करने के लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नयनतारा अपनी एक फिल्म के लिए करीब 5 से 7 करोड़ रुपए चार्ज करती हैं।

अनुष्का शेट्टी

एसएस राजामौली की बाहुबली फेम एक्ट्रेस अनुष्का भी टॉप कमाई करने वाली एक्ट्रेसेस के लिस्ट में ऊपर है। अनुष्का भी अपनी फिल्मों के लिए करीब 6 करोड़ रुपये लेती हैं।

पूजा हेगड़े

'राधे श्याम' फिल्म की एक्ट्रेस पूजा हेगड़े भी टॉप साउथ एक्ट्रेसेस में से एक हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पूजा हेगड़े अपनी फिल्मों के लिए करीब 2.5 से 7 करोड़ रुपए चार्ज करती हैं।

रश्मिका मंदाना

'पुष्पा: द राइज' में श्रीवल्ली के किरदार में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना अपनी एक फिल्म के लिए 2 से 2.5 करोड़ रुपये चार्ज करती हैं।

तापसी पन्नू

तेलुगू फिल्म से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत करने वाली तापसी भी टॉप साउथ एक्ट्रेसेस में से एक हैं। तापसी अपने फिल्मों के लिए 3 से 5 करोड़ रुपए चार्ज करती हैं।

काजल अग्रवाल

साउथ से बॉलीवुड फिल्मों तक काम कर चुकीं काजल अग्रवाल का नाम इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस की लिस्ट में शुमार है। ये अपनी फिल्मों के लिए करीब 1.5 से 4 करोड़ रुपए चार्ज करती हैं।

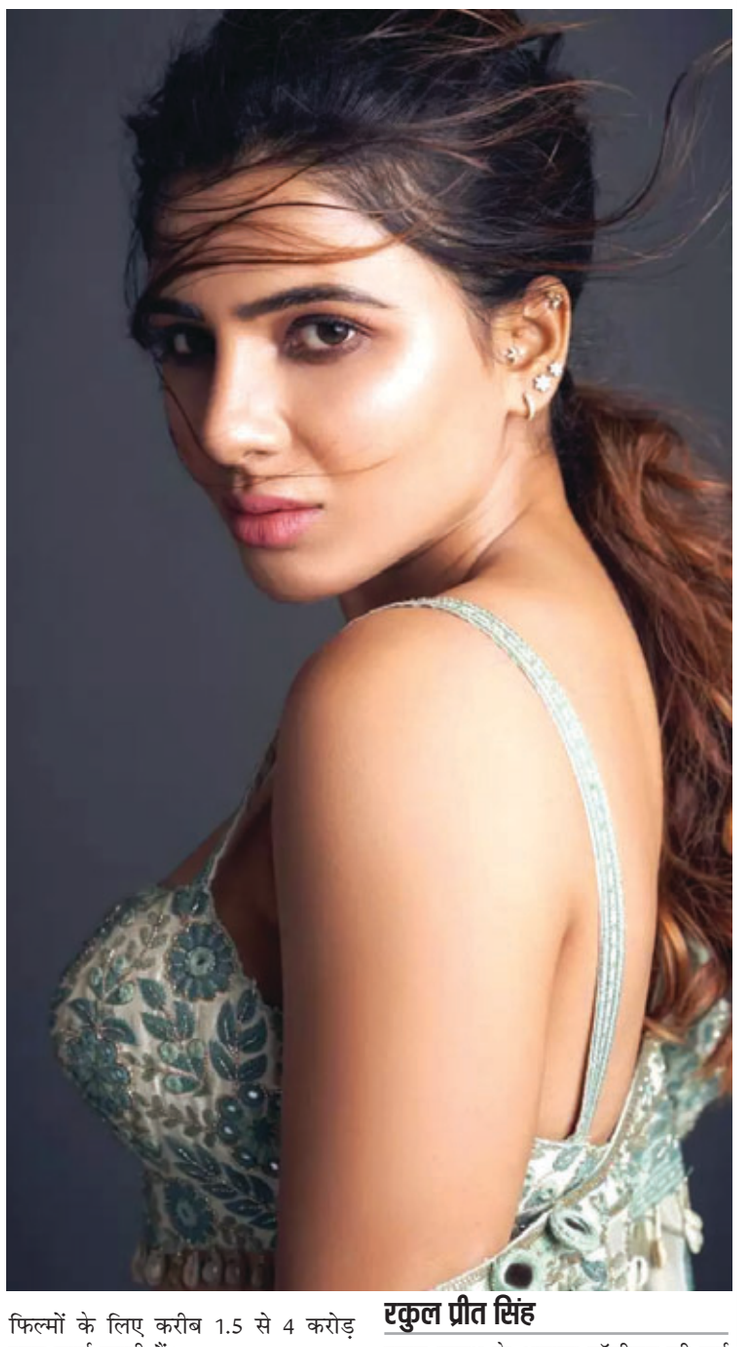

तमन्ना भाटिया

बाहुबली में नजर आ चुकीं तमन्ना भी हाईएस्ट पेड एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शुमार हैं। ये एक फिल्म की 4 से 5 करोड़ की फीस लेती हैं और करीब 50 लाख रुपये एक आइटम नंबर के लिए लेती हैं।

रकुल प्रीत सिंह

रकुल साउथ के अलावा बॉलीवुड की कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं। ये एक फिल्म के लिए 1.5 से 3 करोड़ रूपए लेती हैं।

साई पल्लवी

इस लिस्ट में साई पल्लवी का भी नाम शामिल है। साई अपने फिल्मों के लिए करीब 1 से 2 करोड़ रुपए चार्ज करती हैं।

अखबार में छपी तस्वीर देखकर मेकर्स ने मुझे केजीएफ के लिए ऑफर दिया: श्रीनिधि शेट्टी

साउथ के सुपरस्टार यश की फिल्म केजीएफ-2 बॉक्स ऑफिस पर लगातार रिकॉर्ड्स बनाते जा रही है। यह फिल्म 10 दिन में ही 800 करोड़ क्लब में शामिल हो गई है। इसके साथ ही केजीएफ-2 रजनीकांत की फिल्म '2.0' के लाइफटाइम बिजनेस को पीछे छोड़कर 7वीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली इंडियन फिल्म भी बन गई है। इतना ही नहीं फिल्म के हिंदी वर्जन ने भी 10 दिन में ही करीब 300 करोड़ की कमाई कर ली है। केजीएफ-2 की सफलता के बीच एक्ट्रेस श्रीनिधि शेट्टी ने फिल्म की शूटिंग और स्टार्स से जुड़ी कुछ खास बातें शेयर की हैं।

'केजीएफ' में जिन जगहों के सीन हैं, वहां शूट और एक्ट करना आसान नहीं था, क्या चैलेंज आए?

मेरा कैरेक्टर 'केजीएफ' में कम था, तो मुझे इतनी सारी लोकेशन पर जाने का मौका नहीं मिला था। हालांकि, मुझे बहुत बुरा लगा क्योंकि मुझे भी सारी लोकेशंस पर जाना है और शूट करना है। मेरी ये इच्छा 'केजीएफ-2' में पूरी हुई, क्योंकि उसमें ऐसे कई सारे सीन थे। तो मुझे अलग-अलग लोकेशन पर जाकर शूट करने का मौका मिला। मेरा एक्सपीरियंस काफी अच्छा रहा, क्योंकि मैं चाहती थी कि मैं इस तरह की लोकेशन पर जाकर शूट करूं। कई जगह पर चैलेंज भी आए। जैसे 1-2 लोकेशन थी जहां हम किसी का चेहरा नहीं देख पाते थे। ऐसे लोकेशन पर धूल, स्मोक काफी होता था और वहां टायर जलाए जाते थे। दिनभर उसे इन्हेल करना और साथ में शूट करना यह जरूरी था, क्योंकि उसके बिना केजीएफ, केजीएफ नहीं रहेगा। हालांकि मैंने हर जगह पर शूट करके एंजॉय किया।

'केजीएफ' के लिए किस तरह आपको अप्रोच किया गया था?

2016 में मैंने मिस इंडिया में पार्टिसिपेट किया था और मैं टॉप-3 में रही थी। उसके कुछ फोटो अखबार में आए थे। किस्मत से मेरे जो डायरेक्टर हैं वह उस समय अपनी फिल्म के लिए एक न्यू फेस ढूंढ रहे थे। उन्होंने बहुत सारी प्रोफाइल देखीं, जिनमें कुछ जाने पहचाने लोग भी थे और कुछ नए भी। यह मेरी किस्मत थी की न्यूज पेपर में आई हुई फोटो पर उनकी नजर पड़ी और मुझे 'केजीएफ' में काम करने का मौका मिला।

प्रशांत नील के डायरेक्शन में क्या नया सीखने को मिला?

मेरा एक्टिंग एक्सपीरियंस जीरो है। तो प्रशांत मेरे लिए सिर्फ एक डायरेक्टर नहीं है बल्कि मेरे टीचर, मेंटर हैं। जो भी कुछ मैंने सीखा उन्हीं से सीखा और वह भी अपनी पहली मूवी में। उनका विजन बहुत अच्छा है। बहुत सारी गैंगस्टर मूवी आती हैं पर प्रशांत का अपना एक स्टाइल है। उनके काम में जो 70's वाला फील भी आ जाता है और मॉडर्न फील भी। मुझे यह फिल्म काफी खूबसूरत लगी है। प्रशांत मुझे फ्रेम में रखते थे, सीन सिखाते थे और विजुअल दिखाते थे, यह सब एक जादू से कम नहीं है। मैं हमेशा बोलती हूं कि वह जादूगर हैं। मुझे इस बात का गर्व है कि एक ऐसी फिल्म का मैं भी एक हिस्सा हूं।

फिल्म में संजय और रवीना भी हैं, इनके साथ का कोई ऐसा किस्सा जो आप शेयर करना चाहें?

रवीना मैडम के साथ तो मेरा कोई सीन नहीं था। उनसे मैं डायरेक्ट प्रमोशन के टाइम मिली और मुझे उनसे मिलकर बहुत खुशी हुई। मुझे बहुत बुरा लगा कि हम लोगों का साथ में कोई सीन नहीं था। संजय सर के साथ मेरा मिड-इंटरवल में एक एक्शन सीन है। उनके साथ एक्ट करके बहुत अच्छा लगा क्योंकि उनके कैरेक्टर अधीरा को देखकर बहुत अच्छी फीलिंग आती थी। जब वह एक्ट करते थे तो उनका एक्सपीरियंस उसमें दिखता था। यह मेरी आंखों के लिए ट्रीट जैसी थी कि मैं उन्हें एक्ट करते हुए देखती थी। मेरा एक्सपीरियंस उनके साथ बहुत अच्छा रहा। यह मेरा भाग्य है कि मैं इतनी बड़ी कास्ट के साथ काम कर पाई।

यश के साथ काम करने का आपका एक्सपीरियंस कैसा रहा?

बहुत अच्छा एक्सपीरियंस रहा। वो पहले ही यहां के एक स्टार हैं। 2016 में बैक टू बैक उनकी हिट फिल्में आई हुई थीं। उनके साथ जब काम करने का मौका मिला तो मुझे बहुत खुशी हुई कि मेरी पहली फिल्म ही यश के साथ होगी। फिर यह सफर भी बहुत लंबा था क्योंकि हमने 'केजीएफ' को 2 पार्ट में डिवाइड करने का डिसीजन लिया था। साथ में दो मूवी करना काफी अच्छा था। हम साथ साथ ग्रो हुए क्योंकि 2016 से 2022 तक का सफर था जिसमें एक दूसरे को फीडबैक देना, को स्टार को स्पेस देना और ऐसी बहुत सारी दूसरी चीजें भी। इस पूरी जर्नी में यश बहुत को ऑपरेटिव थे।

केजीएफ की शूटिंग के समय का कोई ऐसा किस्सा जो आप शेयर करना चाहें?

2016 से 2022 तक का ये सफर इतना लंबा रहा है और इसमें बहुत कुछ अच्छा एक्सपीरियंस भी किया है। अब यह एक फैमिली जैसा फील देता है। सेट पर हर रोज बहुत मस्ती होती थी। सीन के समय सब कुछ बहुत इंटेंस होता था पर सीन होते ही एक साथ बैठकर लंच करना, कभी क्रिकेट खेलना या मजाक मस्ती करना। इन सब चीजों का अपना एक मजा था। तो हर दिन का एक अपना मजा था और जब फिल्म खत्म हुई तो मुझे बहुत बुरा लगा कि अब यह फील नहीं आ पाएगा।

सिंगिंग फील्ड में ओवर नाइट स्टारडम कभी काम नहीं करता

धीरे-धीरे की गई मेहनत ही रंग लाती है: अलका यागनिक

दिग्गज सिंगर अलका यागनिक इन दिनों एक बार फिर से सिंगिंग रियलिटी शो 'सुपरस्टार सिंगर' सीजन 2 में नजर आ रही हैं।

'सुपरस्टार सिंगर' शो के सीजन 2 से आपका जुड़ना कैसे हुआ?

जब पहली बार मुझे इस शो के लिए अप्रोच किया गया था तब मैंने खुशी से ऑफर एक्सेप्ट किया। चूंकि मुझे बच्चे बहुत पसंद हैं इसलिए बच्चों को सुनना एक अलग अनुभव होता है। मेरा एक्सपीरियंस इस शो को लेकर बहुत अच्छा रहा। इस बार भी जब मुझे अप्रोच किया गया तो मुझे हां ही कहना था। इस बार भी इस शो से जुड़कर अच्छा लग रहा है। उम्मीद है कि शो में एक से बढ़कर एक टैलेंट देखने को मिलेगा।

सिंगिंग के दौरान किसी बच्चे से कोई चूक हो जाती है तो उसकी जजिंग में आप कितनी नरमी बरतती हैं?

बच्चे बहुत नाजुक होते हैं। अगर किसी बच्चे से कोई गलती हो भी जाती है सिंगिंग के दौरान तो हमें अपना कमेंट बहुत सुगर कोट करके देना पड़ता है, उन्हें समझाना पड़ता है। उन्हें कोई निगेटिव बात

भी बोलनी होती है कि तुम्हारे में ये कमी है तो उसे भी इतने प्यार से बोलना होता है कि उनका दिल न दुखे। यह भी एक हुनर होता है कि बच्चों को कैसे सिखाए कि उन्हें बिल्कुल न बुरा लगे। जज करते वक्त हमारी आवाज का जो टोन होता है, एक्सप्रेशन होता है वो जरा सा भी चेंज होता है तो उनका चेहरा उतर जाता है।

कुछ जज पर्सनली कंटेस्टेंट्स की मदद करते हैं, क्या आप भी ऐसा कुछ करती हैं?

डेफिनेटली करती हूं। मैंने कई रियलिटी शो जज किए हैं। उनमें से जो भी बच्चे मेरे संपर्क में हैं, उन्हें मैं गाइड करती रहती हूं। सभी मेरे पास अक्सर आते रहे हैं। जब जितनी संभव मदद हो सकती है उनकी मुझसे मैं करती हूं। ऐसा नहीं है कि बच्चे मुझे भूल गए या मैं उन्हें भूल गई। मेरे लिए हर बच्चा एक समान है। मैंने सिंगिंग में आने वाले इन बच्चों को अपनी आंखों के सामने बड़े होते हुए देखा है। इनमें से कई मुझसे मिलने आते रहते हैं। अगर मेरी मदद से उनका कुछ भला होता है तो मैं खुद को बहुत भाग्यशाली समझती हूं।

क्या कभी कोई इंस्टीट्यूशन खोलने के बारे में भी विचार आया है?

ऐसा विचार तो कई बार आया। पर जब भी इस बारे में कुछ करने का सोचती हूं, दूसरे कामों की इतनी मसरूफियत होती है इस पर आगे कुछ नहीं हो पाता। दरअसल ऐसा कुछ शुरू करने पर हमें उसे पूरा समय देना पड़ता है। काफी फोकस करना पड़ता है क्योंकि बच्चे आएंगे आपके पास आप उसे हल्के में नहीं ले सकते हैं, उनका पूरा फ्यूचर आपके हाथ में होता है। वे हमसे उम्मीद करेंगे कि हमें यहां संगीत से जुड़ा बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। इसलिए होता ये है कि हम अपने कॉन्सर्ट्स, रियलिटी शो, कमिटमेंट में ऐसे बंधे होते हैं कि इनके बीच इस विचार पर आगे बढ़ने का मुझे वक्त नहीं मिला। हां, अगर आगे वक्त मिला तो जरूर इस पर काम करूंगी।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026,
8962815243

SHRI SAI
COMMERCE COACHING
A Complete Commerce Solution
ONLINE CLASS
XI th XII th B.COM
CA/CS/CMA
Registration Open
KHOOBI SIR- Director
Sirsa Road, Kohka, Bhilai, Mo.-98935-82241
www.shri.sai.commercecoaching.com

BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
Paul Sir
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

S S MOBILE & ACCESORIES
सबसे कम दाम मे यहां मिलेगा
पुराना दो नया ले जाओ
रिपेयरिंग एवं साफ्टवेयर
सभी प्रकार के रिजार्व किये जाते है
0% फाईनेंस ऑल प्रोडक्टस्
9302390023, 9827817809
ALL BRANDES MOBILE AVAILABLE
Apposite Street no.-2, Kasaridih,Durg

MENS Clothing
A COMPLETE MEN'S FASHION STORE
Shahrukh Quraishy
8818880051
Infront Of National Steel, Maharaja Chowk, Durg (C.G.) 491001
E-mail.:- shahrukhquraishy786@gmail.com

हरे कृष्णा firstcare of Kids S.S.D हरे रामा
Rajendra Choithramani
Mob. 9111830803
न्यू नन्हे उस्ताद
Kids Wear
Specialist of all Kinds of Kid's Wear, Cosmetics, Toys & Many More...
हमारे प्रतिष्ठान में अनुभवी कर्मचारियों की आवश्यकता है
पता : मढ़रिया कामप्लेक्स के सामने, आदर्श नगर, दुर्ग (छ.ग.)

Jeans, Trousers, Shirts, T-shirts, Top, Legis, Suits & All Types of Mens & Ledies Wears
Rock Star
Girls & Mens Wear
Kishan Ahuja
9300628876
Maharja Chowk, opp. Oriental Bank, Borsi,Road, Durg (C.G.)

कलश ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषण के निर्माता एवं विक्रेता
हमारे यहां उचित ब्याज पर गिरवी रखी जाती है।
देवांगन होटल के बाजू में, मुक्तिधाम रोड, रामनगर, भिलाई, जिला-दुर्ग
9074621825

भोलू मोबाईल रिपेयरिंग एवं साफ्टवेयर
सभी प्रकार के मोबाईल रिपेयरिंग किया जाता है
(All IC Work)
मो. - 87199 99358
9131918132
शॉप नं.-148, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

भारत सरकार की अतिरिक्त सचिव उमादेवी ने की बस्तर जिले के विकास कार्यों की समीक्षा

जगदलपुर। भारत सरकार के गृह विभाग में अतिरिक्त सचिव बीवी उमादेवी ने आज बस्तर जिले में संचालित विकास कार्यों की समीक्षा की। जगदलपुर स्थित जिला कार्यालय के प्रेरणा कक्ष में आयोजित बैठक में समीक्षा के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोहित व्यास ने बस्तर जिले में संचालित विकास कार्यों और नवाचारों की जानकारी दी। भारतीय वन सेवा के 1987 बैच की छत्तीसगढ़ कैडर की अधिकारी उमादेवी ने बस्तर में युवोदय, बादल एकेडमी, कलागुड़ी, थिंक बी आदि कार्यों की प्रशंसा करते हुए आकांक्षी जिलों के लिए निर्धारित संकेतकों में उच्च स्थान बनाए रखने के लिए ऐसे विकास कार्यों पर जोर दिया, जिनका प्रभाव स्थाई हो। उन्होंने कहा कि शासन के पास विकास कार्यों के लिए अनेक योजनाएं संचालित हैं तथा राशि भी पर्याप्त उपलब्ध है। उन्होंने इस दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण, रोजगार और कौशल प्रशिक्षण, वित्तीय समावेशन, कृषि एवं सिंचाई, पेयजल, विद्युत, सड़क एवं अन्य अधोसंरचना आदि क्षेत्रों में हो रहे विकास कार्यों की समीक्षा की।

बड़े मुरमा में किया गया यूवोदय खेल मड़ई का आयोजन

जगदलपुर। विकासखंड जगदलपुर के बड़े मुरमा गांव मे युवोदय खेल मड़ई और विशेष शिविर का आयोजन किया गया। युवोदय खेल मड़ई में तोंडापाल, बिरनपाल, उलनार, जामावाड़ा 01, जामावाड़ा 02, बड़े बोदल पंचायत के ग्रामीण शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर रजत बंसल के निर्देशानुसार जिले के समस्त विकासखंड मे युवोदय खेल मड़ई का आयोजन प्रत्येक शनिवार को किया जा रहा है। इसी कड़ी मे खेल मड़ई मे कबड्डी और वालीबाल प्रतियोगिता का आयोजन ग्रामीणों के बीच कराया गया। विजेता टीमों को पुरस्कार वितरण किया गया। विशेष शिविर के दौरान विभागीय अधिकारियों द्वारा शासकीय योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों की दी गई। शिविर मे कुल 140 आवेदन प्राप्त हुये। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनीता पोयाम एवं जनपद सदस्यों द्वारा 13 हितग्राहियों को वनाधिकार पत्र वितरित किया गया। शिविर मे जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनीता पोयाम, जिला पंचायत सदस्य धरमुराम मंडावी एवं जगदलपुर एसडीएम दिनेश कुमार नाग द्वारा संबोधित किया गया। शिविर मे नायब तहसीलदार श्रीमती जागेश्वरी पोयाम, बीईओ एम एस भारद्वाज सहित समस्त विभागीय अधिकारी कर्मचारी गण, सरपंचगण, युवोदय वालंटियर्स एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री की मंशा है कि ग्राम पंचायतें देश के विकास की धुरी बनें : योगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली/लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राष्ट्रीय पंचायतीराज दिवस के अवसर पर आज जनपद जालौन के विकास खण्ड डकौर की ग्राम पंचायत ऐरी रमपुरा की ग्रामसभा की बैठक में सम्मिलित हुए। ग्राम सभा की बैठक की कार्यवाही ग्राम प्रधान ऐरी रमपुरा ओमकार पाल द्वारा प्रारंभ की गयी। इसमें पिछली बैठक की कार्यवाही का विवरण दिया गया।

ग्राम सभा की बैठक में भारत सरकार द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में सभी ग्राम पंचायतों में सतत विकास के लक्ष्यों पर आधारित 9 थीमों-गरीबी मुक्त गांव, स्वस्थ गांव, बाल हितैषी गांव, पर्याप्त जलयुक्त गांव, स्वच्छ और हरा भरा गांव, आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचे वाला गांव, सामाजिक रूप से सुरक्षित गांव, सुशासन वाला गांव, महिला हितैषी गांव के आधार पर ग्राम का विकास कराए जाने का संकल्प लिया गया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में लगभग 1100 करोड़ रुपए की लागत की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया। लोकार्पित परियोजनाओं में 682 करोड़ 50 लाख रुपए की लागत से निर्मित 39 हजार तकनीकी उपकरणों से युक्त पंचायत सचिवालय, 306.72 करोड़ रुपए की लागत से पंचायतों में स्थापित 07 लाख 10 हजार एल0ई0डी0 लाइट, 90 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित 2,000 सामुदायिक शौचालय तथा 33.60 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित 16 जिला पंचायत रिर्सोस सेन्टर व प्रशिक्षण केन्द्र (डी0पी0आर0सी0) सम्मिलित हैं।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री को प्रदेश के पंचायतीराज मंत्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने राष्ट्रीय स्तर पर पंचायतों में ई-गवर्नेंस कार्यों हेतु उत्तर प्रदेश को प्राप्त तृतीय पुरस्कार सौंपा। मुख्यमंत्री ने भारत सरकार द्वारा पुरस्कार के लिए चयनित होने पर जिला पंचायत अध्यक्ष जालौन से घनश्याम अनुरागी को पं0 दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार, ग्राम पंचायत रमपुरा, जालौन के प्रधान ओमकार पाल को बाल मैत्रिक ग्राम पंचायत पुरस्कार तथा ग्राम पंचायत कूड़ेपुरा कनार, जालौन के प्रधान शिवदास गुप्ता को पं0 दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार प्रदान किया। इसके उपरान्त, मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय पंचायतीराज दिवस के अवसर पर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जम्मू-कश्मीर के ग्राम पाली में आयोजित कार्यक्रम में वर्चुअली प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अपने सम्बोधन में प्रदेशवासियों को राष्ट्रीय पंचायतीराज दिवस की बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी की मंशा है कि ग्राम पंचायतें देश के विकास की धुरी बने। प्रधानमंत्री जी की परिकल्पना के अनुरूप अब गांवों को स्मार्ट बनाने के लिए कार्य किया जा रहा है। गांवों में एल0ई0डी0 स्ट्रीट लाइट लगाने तथा ग्राम सचिवालय के निर्माण का कार्य हो रहा है। अब नगरीय क्षेत्र ही स्मार्ट नहीं होंगे बल्कि ग्रामीण क्षेत्र में भी स्मार्ट विलेज की परिकल्पना को साकार करने के कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का कार्य होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास का कोई विकल्प नहीं होता। विकास के साथ जुड़ने की एक चाहत सबके मन में होनी चाहिए। ग्राम पंचायत ऐरी रमपुरा ने बेहतरीन कार्य किया है। इसी प्रकार प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतें भी अपने नियमित बैठकें कर अपने गांव को आदर्श गांव बनाने का प्रयास करें। वे भी प्रदेश और केन्द्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार से जुड़ते हुए अलग-अलग पुरस्कार प्राप्त करने में सफल हों।

इससे पूर्व, मुख्यमंत्री जी ने ग्राम सभा के पूर्व माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया गया। उन्होंने ग्राम पंचायत ऐरी रमपुरा के पंचायत कार्यालय के सौन्दर्यीकरण का लोकार्पण तथा ग्राम पंचायत में अमृत सरोवर का शिलान्यास किया गया। साथ ही, जनपद जालौन के 351 परिषदीय विद्यालयों में चहारदीवारी का लोकार्पण तथा 551 परिषदीय विद्यालयों के छत व फर्श मरम्मत का शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ''बोले सो निहाल, सत् श्री अकाल'' का किया उद्घोष

गुरु तेग बहादुर की जीवनी को स्कूली पाठ्यक्रम में किया जाएगा शामिल : भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सिक्ख समाज के नौवें गुरु तेग बहादुर जी की 400 वीं जयंती के अवसर पर सिक्ख समाज छत्तीसगढ़ और स्टेशन रोड गुरुद्वारा की ओर से राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में दो दिवसीय शताब्दी समारोह का आयोजन किया गया था। इस समारोह के दूसरे दिन आज मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने समागम में शिरकत की। मुख्यमंत्री ने यहां सबसे पहले गुरु ग्रंथ साहिब के सामने मत्था टेका और छत्तीसगढ़वासियों की सुख-समृद्धि व खुशहाली की कामना की।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने महान गुरु तेग बहादुर के समाज के लिए दिए गए योगदान के लिए उनकी जीवनी को छत्तीसगढ़ के स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने की घोषणा की। साथ ही सिक्ख समाज के प्रथम गुरु संत गुरुनानक देव जी की छत्तीसगढ़ से जुड़ी स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए बसना के नजदीक उनके प्रवास स्थान गढ़फुलझर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की घोषणा भी की।

गुरु तेज बहादुर के 400वें प्रकाश पर्व के मौके पर आयोजित समारोह में पहुंचे मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल का सिक्ख समाज ने आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर सिक्ख समाज की ओर से मुख्यमंत्री व अन्य अतिथियों को शॉल, श्री फल, सरोपा भेंटकर सम्मानित किया गया। यहां मुख्यमंत्री श्री बघेल ने गुरु तेग बहादुर की 400वीं जयंती पर सिक्ख समाज सहित पूरे प्रदेशवासियों को बधाई व शुभकामनाएं दीं। समागम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि, गुरु तेग बहादुर जी बड़े समाज सुधारक, योद्धा एवं विद्वान थे। सिक्ख समाज के गुरुओं ने एक-एक व्यक्ति में साहस और पराक्रम भरने का काम किया। जब परिस्थितियां विपरीत थीं, तब समाज को संगठित करने का काम गुरुओं ने किया। सिक्ख समाज के गुरुओं ने हिंदुओं की रक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत यात्रा के दौरान गुरु नानक देव जी के छत्तीसगढ़ में दो स्थानों पर ठहरने का उल्लेख मिलता है। इसमें से एक अमरकंटक का कबीर चौरा है, जहां गुरुनानक देव जी महाराज और कबीर जी की मुलाकात हुई थी। वहीं दूसरा स्थान बसना के नजदीक गढ़फुलझर है, जहां गुरुनानक देव जी कुछ समय रुके थे। मुख्यमंत्री ने कहा, गुरु नानक जी की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए गढ़फूलझर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। वहीं मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी का समाज के लिए बड़ा योगदान रहा है, ऐसे में उनके योगदान को भावी पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए उनकी जीवनी को छत्तीसगढ़ के स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि समाज और देश पर जब भी किसी तरह का संकट आया, सिक्ख समाज ने हमेशा ही समाज की सेवा और चुनौतियों से लड़ने के लिए सबसे आगे खड़ा रहा। कोरोना के समय भी जब लोग घरों के भीतर भी भयभीत थे, तब जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराने की सेवा में सिक्ख समाज जुटा रहा। उन्होंने कहा, सेवा के मायने किसी और समाज में उतना नहीं दिखता, जितना की सिक्ख समाज में देखने को मिलता है। गुरु तेगबहादुर जी की 400वीं जयंती पर आयोजित समागम में प्रदेशभर से आज 400 सिक्ख परिवारों द्वारा अपने घरों में रखे गए सहजपाठ का आज साइंस कॉलेज मैदान रायपुर में समापन किया गया।

मुख्यमंत्री ने की देवांगन समाज को भटगांव में दो एकड़ भूमि और भवन के लिए 25 लाख देने की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज धमतरी जिले में भखारा के निकट सेमरा-सी में देवांगन समाज के 57 अधिवेशन में शामिल हुए। कार्यक्रम में उन्होंने देवांगन समाज को भटगांव में दो एकड़ भूमि आवंटित करने और सामाजिक भवन को बनाने के लिए 25 लाख रुपए भी देने की घोषणा की। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देवांगन समाज हमेशा से व्यापार व्यवसाय के क्षेत्र में अग्रणी रहा है। समाज के बुजुर्गों ने सालों से जो सम्मान और नाम व्यापार और व्यवसाय के क्षेत्र में कमाया है, इसके लिए उन्हें महाजन कहकर सम्मानित किया जाता रहा है। उस मान सम्मान को आगे भी कायम रखा जाए।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने देवांगन समाज के साथ अन्य प्रदेशवासियों से प्रदेश के विकास में भागीदार बनने का आव्हान किया। उन्होंने प्रदेश सरकार की पहल पर हर निगम क्षेत्र में बनाए जा रहे सी-मार्ट का जिक्र करते हुए कहा कि इससे ग्रामीण हुनर, शिल्पकार, बुनकर, कुम्हार,महिला समूह द्वारा तैयार उत्पाद को शहर के बाजार में बिक्री के लिए जगह मिलेगी, वहीं उनकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण औद्योगिक पार्क हर ब्लॉक के दो चिन्हांकित गौठानों में बनाए जा रहे हैं। वहां कार्यरत महिला समूह हॉलर मिल, दाल मिल, घानी आदि के जरिए ग्रामीण उद्योग स्थापित कर सकेंगी। गौरतलब है कि राज्य में ग्रामीण औद्योगिक पार्क के लिए इस साल 600 करोड़ का बजट प्रावधानित किया गया है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने देवांगन समाज के प्रतिभाशाली युवक युवतियों को प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में श्री आशीष देवांगन, कमिश्नर नगर निगम रिसाली भिलाई, शिशुरोग विशेषज्ञ डॉ. अखिलेश देवांगन, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट अंपायर और अनाउंसर श्री हरीश देवांगन, ब्लड डोनर श्री विजेंद्र देवांगन, महाविद्यालय में सहायक प्राध्यापक सुश्री दिव्या देवांगन शामिल थीं।कार्यक्रम में धमतरी नगर निगम महापौर श्री विजय देवांगन ने देवांगन समाज के 57 अधिवेशन का संक्षिप्त परिचय दिया।

उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में सभी नगरीय निकायों में शुरू की गई मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना, राजीव युवा मितान क्लब, पुरानी पेंशन योजना बहाली आदि की विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में सिहावा विधायक डॉ. लक्ष्मी ध्रुव, छत्तीसगढ़ राज्य खनिज विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन, नगर पंचायत कुरूद के अध्यक्ष तपन चंद्राकर, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती तारिणी चंद्राकर, पूर्व विधायक कुरूद लेखराम चंद्राकर, पूर्व विधायक धमतरी हर्षद मेहता, समाज के जिलाध्यक्ष भोलानाथ देवांगन, महापौर नगर निगम बीरगांव नंदलाल देवांगन सहित अनेक जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में देवांगन समाज के लोग उपस्थित थे।

केन्द्रीय राज्यमंत्री को बस्तर संभाग से जुड़े विभिन्न विषयों के संबंध में सौंपा गया पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। बस्तर दौरे पर आए संसदीय एवं संस्कृति केन्द्रीय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से पूर्व मंत्री केदार कश्यप, पूर्व सांसद दिनेश कश्यप एवं भाजपा जिलाध्यक्ष रूपसिंह मंडावी ने के नेतृत्व में जगदलपुर विधानसभा के पूर्व विधायक संतोष बाफ्ना ने बस्तर संभाग से जुड़े हुए विभिन्न विषयों के संबंध में पत्र सौंपकर केन्द्र सरकार का ध्यानाकर्षित कराने का प्रयास किया।

बाफ्ना ने केन्द्रीय राज्य मंत्री को सौंपे गए पत्र में एक बार फिर धमतरी से जगदलपुर मार्ग को फोर लेन में परिवर्तित करने का मुद्दा उठाया। और उन्हें बताया कि, पिछले तीन वर्षों से लगातार धमतरी से जगदलपुर मार्ग को फोर लेन में बदलने को लेकर केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से पत्राचार करते आ रहे हैं और केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी भरोसा दिलाते हुए धमतरी-जगदलपुर खंड को फोर लेन में बदलने के प्रस्ताव पर संबंधित अधिकारियों को डीपीआर तैयार करने हेतु निर्देशित भी किया है। इस पर बाफ्ना ने मेघवाल जी के माध्यम से मांग करते हुए आग्रह किया है कि, उक्त मार्ग का डीपीआर तैयार होने के पश्चात् निर्माण कार्य की जनहित में यथाशीघ्र स्वीकृति भी दी जाये।

इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को रावघाट रेल परियोजना की वस्तुस्थिति से अवगत कराने हेतु इस परियोजना के द्वितीय चरण रावघाट से जगदलपुर तक 140 कि.मी. रेल लाइन निर्माण कार्य को शीघ्र प्रारंभ किये जाने तथा जगदलपुर विमानतल से हवाई सेवा का विस्तार भुवनेश्वर एवं विशाखापट्टनम तक करने व विमानतल की तकनीकि खामियों को दूर करते हुए मोबाइल एटीसी टावर और उसमें लगी हुई संचार सुविधाएं के अतिरिक्त एडवांस तकनीक के डीवीओआर और डीएमई उपकरणों को लगाने एवं छत्तीसगढ़ राज्य की माहरा जाति को अनुसूचित जाति में शामिल किये जाने को लेकर केन्द्र सरकार के पास अग्रिम कार्यवाही हेतु लंबित मामले को यथाशीघ्र स्वीकृति प्रदान करने की मांग दोहराई है।

इसके साथ ही बस्तर के सांस्कृतिक, धार्मिक एवं पर्यटन महत्व के स्थलों को विकसित करने की भी मांग की है। जिसमें कोण्डागांव जिले के प्रवेश द्वारा केशकाल के समीप स्थित गोबराहीन गढधनोरा, मांडवा जलप्रपात, चित्रधारा जलप्रपात एवं पर्यटन आदि शामिल हैं।

गंगरेल से गांवों तक निस्तारी पानी पहुंचाने सिंचाई अधिकारियों की कवायद जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर/आरंग। गंगरेल से मांढर शाखा नहर में निस्तारी पानी छोड़ने के पखवाड़ा बीत जाने के बाद भी इसके मांढर सब डिवीजन के ग्रामों में पानी न पहुंचने की ओर ध्यानाकर्षण कराये जाने पर विभागीय अधिकारियों ने खुद मैदान सम्हाल लिया है । संबंधित कार्यपालन अभियंता द्वारा इस शाखा नहर का निरीक्षण करने व कवायत के चलते बीते 22 अप्रैल से इस सब डिवीजन के नहर से कतिपय ग्रामों में पानी पहुंचना शुरू हुआ है।

ज्ञातव्य हो कि निस्तारी पानी की समस्या को देखते हुये गांवों के तालाबों को भरने जल संसाधन मंत्री रवीन्द्र चौबे के निर्देश पर प्रदेश के बांधों के गेट खोल दिये गये हैं जिनमें से गंगरेल भी एक है । गंगरेल के महानदी मुख्य शाखा नहर से मांढर शाखा नहर निकली है जिनके ग्राम अभनपुर व मांढर सब डिवीजन में प्रशासनिक दृष्टिकोण से बंटे हैं । इस नहर से अभनपुर सब डिवीजन के ग्रामों के साथ रायपुर नगर निगम तथा बीरगांव को व फिर मांडर सब डिवीजन के ग्रामों को पानी मिलता है । इस शाखा नहर में पखवाड़ा भर पहले निस्तारी तालाबों को भरने पानी छोड़ा जा चुका था और एक - दो दिन इस मांढर सब डिवीजन के अंतर्गत आने वाले नहर में पानी का बहाव दिखा फिर अचानक बंद हो गया । इस वितरक शाखा 10 के ग्रामीणों ने इस ओर रायपुर जिला जल उपभोक्ता संस्था संघ के अध्यक्ष रहे भूपेंद्र शर्मा का ध्यान इस ओर बीते 21 अप्रैल को आकृष्ट कराया तो उन्होंने इस सब डिवीजन के अनुविभागीय अधिकारी एम बोरकर से चर्चा की जिन्होंने शाखा नहर में 700 क्यूसेक पानी छूटने पर इस सब डिवीजन के नहर में नहीं पहुंच पाने की जानकारी दी । इसका कारण पूछने पर कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाने पर शर्मा ने महानदी जलाशय परियोजना के मुख्य अभियंता ए के नागरिया व जल प्रबंध संभाग क्रमांक 1 के कार्यपालन अभियंता एस के बर्मन का इस ओर ध्यान आकृष्ट कराया । तत्काल सक्रिय हो बर्मन ने न केवल इस पूरे शाखा नहर का निरीक्षण कर अपने अधीनस्थ अधिकारियों से कवायत करवा उसी दिन शाम ढलते - ढलते मांढर सब डिवीजन के नहर में पानी का प्रवाह शुरू करवाया वरन् अपने अधीनस्थ मैदानी अमले को सतत् सक्रिय रख पानी का प्रवाह निरंतर बनाये रखने में अभी तक सफलता हासिल की? है । इधर इस सब डिवीजन के अनुविभागीय अधिकारी एम बोरकर से मिली जानकारी के अनुसार मांढर शाखा नहर में 1000 क्यूसेक पानी का प्रवाह हो रहा है जिसमें से 660 क्येसेक पानी निस्तारी तालाबों को भरने व शेष रायपुर नगर निगम व बीरगांव के लिये है । इधर इस सब डिवीजन के वितरक शाखा 10 से निस्तारी पानी की मांग को को ले ग्राम पंचायत बड़गांव के सरपंच श्रीमती रामबती मुरारी यादव , तोडगाव के सरपंच संतोष बांसवार व कुटेसर के सरपंच श्रीमती कामिनी लक्ष्मण यादव ने ? बोरकर को ज्ञापन सौंपा है ।

YOGESH COMPUTER
Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware
CCTV Camera
Networking
Software
Yogesh Sirame
Mo-9893342971
7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road
Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

GREEN COMPUTER
Sales, Services, Repairs
Laptop Repairing
Printer
Desktop
7/2, Dakshin Gangotri,
Supela, Bhilai
0788-4083385

Y Fitness
start
17500/-
Bajaj
Finance
Available
• Gym Servicing
• Gym Equipment &
Accessories Available
• Home Treadmill &
Gym Service Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7
Dakshin gangotri, Supela, Bhilai
Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

मथुरावासी
चाट सेंटर
शादी एवं पार्टियों के
आर्डर लिए जाते हैं।
9893283525
जैन पान ठेला के सामने आकाश गंगा सुपेला

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
कवर ही कवर
I-PHone,Samsung, MI,
Oppo, Vivo, Nokia, HTC,
Blue tooth Charger,
Power Bank, Ear Phone,
BT. Speakar
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट,
फ्राक, फैंसी सलवार सूट
एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स,
गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok
JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh
Jewellers,
Akash Ganga,
Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

प्रेमी को मिलने के लिए बुलाया, देर हुई तो खुद पर लगा ली आग

बिलासपुर (ए)। सीपत क्षेत्र में रहने वाली किशोरी ने अपने प्रेमी को मिलने के लिए बुलाया था। दूसरे जिले में रहने वाले प्रेमी को उसके घर पहुंचने में देर हो गई। इससे नाराज किशोरी ने खुद पर मिट्टी का तेल डाल लिया। प्रेमी के घर पहुंचते ही उसने मिट्टी तेल से भीगे कपड़ों में आग लगा ली। घटना से हड़बड़ाए प्रेमी ने किसी तरह आग बुझाया। इसके बाद उसे लेकर अकलतरा के अस्पताल में भर्ती कराया है। घटना की सूचना पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। रविवार को सीपत पुलिस ने आहत का बयान दर्ज किया है। सीपत क्षेत्र में रहने वाली किशोरी 17 वर्षीय किशोरी शुक्रवार को अपने घर में अकेली थी। उसके पिता और मां रोजी मजदूरी करते हैं। वे अपने काम पर चले गए थे। इसी बीच किशोरी ने अपने प्रेमी जितेंद्र जांगड़े को मिलने के लिए बुलाया। जितेंद्र जांजगीर-चांपा जिले के अकलतरा थाना अंतर्गत धनपुर में रहता है। दूर होने की वजह से वह किशोरी के बताए समय पर नहीं पहुंच पाया। इससे किशोरी नाराज हो गई। उसने अपने कपड़ों पर मिट्टी का तेल डाल लिया। इसके बाद वह अपने प्रेमी का इंतजार करने लगी। जितेंद्र जैसे ही उसके घर पहुंचा किशोरी ने नाराजगी जताते हुए अपने कपड़ों में आग लगा ली। घटना से हड़बड़ाए प्रेमी ने किसी तरह आग को बुझाया। इसके बाद उसने आहत किशोरी को लेकर अकलतरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। घटना की जानकारी होने के बाद अकलतरा पुलिस ने शुन्य में मामला दर्ज कर सीपत थाने में इसकी डायरी भेजी। पुलिस ने मामला दर्ज कर रविवार को आहत का बयान लिया है। इसके बाद घटना की जांच की जा रही है। सोमवार को किशोरी के गांव में जाकर आसपास के लोगों से पूछताछ की जाएगी। इसके बाद मामला स्पष्ट होगा।

रायपुर में लोहे की प्लेट चोरी करने वाले तीन गिरफ्तार

रायपुर (ए)। तिल्दा-नेवरा थाना क्षेत्र में लोहे की सेटरिंग प्लेट चोरी करने वाले मुकेश धीवर, सुरेंद्र धीवर और बाबूल किशोर उर्फपाका पात्रे को पुलिस गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी अनुसार थाने में अनिल साहू ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि ग्राम बस्तोरी पट्रोल पंप में निर्माण कार्य चल रहा है। पेट्रोल पंप बिल्डिंग के ढलाई के लिए लोहे के 34 नग सेटरिंग प्लेट निर्माणाधीन पेट्रोल पंप परिसर में रखे थे। जिसे 13 अप्रैल की दोपहर कोई चुरा ले गए। पुलिस ने पूछताछ में पाया कि घटना के दिन मुकेश धीवर अपने अन्य साथियों के साथ वहां चार पहिया वाहन के साथ आया था। संदेह होने पर पुलिस ने आरोपित को पकड़कर पूछताछ की। मुकेश ने सुरेंद्र और बाबूल के साथ मिलकर चोरी की वारदात करना स्वीकार किया।

टिकरापारा क्षेत्र से दो बाइक चोरी करने वाले तीन गिरफ्तार

रायपुर (ए)। थाना टिकरापारा क्षेत्र से दो बाइक चोरी करने वाले तीन वाहन चोरों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कृष्ण कुमार पांडेय, पप्पू उर्फविजय बघेल और जाफर अली को गिरफ्तार किया है। टिकरापारा थाना के तहत दो अलग-अलग क्षेत्रों से बाइक चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज हुई थी। 29 मार्च को प्रार्थी सैय्यद आवेश के घर के बाहर से गाड़ी चोरी हुई थी। वहीं लोकेश्वर साहू की गाड़ी पांच अप्रैल को भाठागांव टिकरापारा स्थित बस स्टैंड की पार्किंग से चोरी कर ले गए थे।

सीएसवीटीयू में भ्रष्टाचार की जांच को बनी समिति

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई के कुल सचिव डा. के.के.वर्मा के खिलाफशिकायत पर शासन स्तर पर जांच की जाएगी। राज्य कौशल विकास तकनीकी शिक्षा व रोजगार विभाग ने इसे लेकर जांच समिति बनाई है। दो सदस्यीय समिति में डा. आरएस परिहार, डॉ. अभिताभ दुबे हैं। विभागीय जानकारी के अनुसार आकाश शर्मा द्वारा तकनीकी विवि में परिवारवाद व प्रशासनिक भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए जांच की मांग की थी। तकनीकी शिक्षा संचालक को शिकायत के आधार पर विभागीय जांच के बाद शासन के समक्ष रिपोर्ट देने की बात कही गई है।

नक्सलियों ने यात्री बस में लगाई आग

दंडकारण्य बंद के दौरान सुकमा में बस रुकवाई, यात्रियों को उतारकर लगा दी आग

सुकमा (ए)। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों ने फिर उत्पात मचाया है। इस बार नक्सलियों ने 25 अप्रैल को दंडकारण्य (दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा) बंद के दौरान कायराना हरकत की है। बताया जा रहा है कि रविवार रात को ही नक्सलियों ने एक बस को आग के हवाले कर दिया। जिससे बस पूरी तरह से जलकर राख हो गई है।

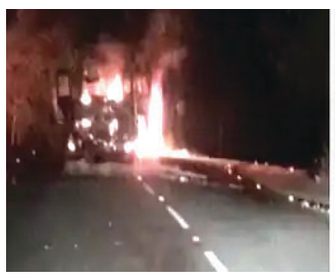

जानकारी के मुताबिक, नक्सली देर रात को सुकमा जिले के कोंटा से 15 किलोमीटर दूर स्थित सरिवेल्ला गांव के सड़क पर पहुंचे थे। इसके बाद उन्होंने कोंटा की तरफ से हैदराबाद जा रही बस को रोक लिया। बस रोकने के बाद पहले उन्होंने यात्रियों को उतारा और उसमें आग लग दी। कहा जा रहा है कि नक्सलियों ने ड्राइवर और यात्रियों को धमकी भी दी है। जिससे वह सभी डरे हुए हैं। आग लगाने के बाद नक्सली मौके से भाग निकले। घटना के बाद पुलिस को भी इसकी सूचना दी गई। खबर लगते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। अब बीच सड़क से जली हुई बस को हटाने का काम किया जा रहा है। फिलहाल घटना के संबंध में अभी और कोई जानकारी सामने नहीं आई है। वहीं नक्सलियों ने 25 अप्रैल को दंडकारण्य बंद के दौरान बीजापुर में एक पुलिस कैंप पर भी हमला कर दिया था।

25 अप्रैल को नक्सलियों ने बुलाया था बंद

दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी की सदस्य हार्डकोर महिला नक्सली निर्मला उर्फ नर्मदा दीदी की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। निर्मला ने महाराष्ट्र के जेल में 9 अप्रैल को दम तोड़ा। बताया जा रहा है कि इस पर लगभग 25 लाख रुपए का इनाम घोषित था। वहीं निर्मला की मौत को साथी माओवादियों ने शासन प्रशासन की साजिश बताया है। इसी विरोध में और निर्मला की याद में माओवादियों ने 25 अप्रैल को दंडकारण्य (दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा) बंद का आह्वान किया था। माओवादियों ने पर्चा जारी कर लोगों से बंद को सफल बनाने की अपील की थी। इसे लेकर पुलिस भी अलर्ट थी।

नक्सलियों जब इस तरह से बंद बुलाते हैं, तो वे हमेशा कुछ ना कुछ उत्पात मचाने की फिराक में रहते हैं। इस बार भी नक्सलियों ने यही करने की कोशिश की है। नक्सलियों ने 25 अप्रैल को ही बीजापुर जिले के नक्सलगढ़ में स्थित एक पुलिस कैंप पर माओवादियों ने हमला कर दिया था। माओवादियों ने कैंप पर कई बैरल ग्रेनेड लॉन्चर दागे था। करीब 15 से 20 मिनट तक दोनों तरफ से गोलीबारी भी हुई थी। हालांकि इस मुठभेड़ में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

सूने मकान से हथियारबंद चोरों ने लाखों का माल किया पार, वारदात सीसीटीवी में कैद

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के एक ठेकेदार के घर ताला तोड़कर चोरों ने लाखों रुपये के जेवर और नगदी पार कर दी। ठेकेदार समेत परिवार अन्य लोग शादी में शामिल होने मध्य प्रदेश ग्वालियर गए हुए थे। सुबह पड़ोसियों ने घटना की जानकारी दी। पुलिस चोरों का पता लगाने में जुट गई।

विधानसभा इलाके के रहेजा ग्रींस कालोनी में ठेकेदार रामलखन शर्मा के घर चोरी की वारदात हुई। तीन दिन पहले वे परिवार सहित शादी की रस्मों में शामिल होने ग्वालियर गए हुए थे। रविवार को सुबह पड़ोसियों की सूचना पर रामलाखन को चोरी की जानकारी हुई। मुख्य गेट से लेकर अंदर कमरों और अलमारियों के ताले टूटे पड़े थे। चोर अलमारी में रखे नकदी और सोने-चांदी जेवर समेत कुल 5 लाख का सामान चुरा ले गए।

कालोनी में सुरक्षागार्ड था मौजूद

एक दो नहीं बल्कि चार चोरों ने मकान में घुसकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। जिस कालोनी में चोरी हुई वहां सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षागार्ड जैसे तमाम इंतजाम थे, मगर चोरी करने और बड़े आराम से फरार होने में शातिर कामयाब रहे। एक फुटेज सामने आया है जिसमें चार चोर मकान में घुसते और निकलते दिख रहे हैं। इसी के आधार पर पुलिस अब इनकी तलाश कर रही है। इसमें कुछ के हाथों में लोहे का राड भी है।

वारदात का तरीका

वारदात के तरीके से बाहरी गैंग पर पुलिस से आशंका जताई है। मध्यप्रदेश के धार के पत्थर गैंग इस तरह से वारदात करता है। ये गैंग आउटर की कालोनियों और सूने मकानों को अपना निशाना बनाते हैं। घटना वाले दिन शाम से ही संबंधित कालोनियों के आस-पास रहते हैं। आधी रात को हाथों में पत्थर लेकर निकलते हैं। इसके बाद चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद अलग-अलग रास्तों से ट्रेन के माध्यम से वापस चले जाते हैं। करीब दो साल पहले भी पत्थर गिरोह ने रायपुर में 30 से ज्यादा चोरियां की थी।

गांजा पीने से मना करने पर किसान की हत्या

आरोपी ने बताया कि दोस्त योगराज की शादी कार्यक्रम में शामिल होने गया था ग्राम कोटगांव

बालोद (ए)। अर्जुन्दा से 7 किमी दूर कोटगांव मार्ग पुलिया के पास गांजा पीने से मना करने पर रेहची निवासी करण बघेल (20) ने ग्राम कोटगांव निवासी सत्यनारायण साहू (56) के सिर पर लोहे के चूड़े से प्राणघातक हमला कर दिया। जिससे उनकी मौत हो गई। अर्जुन्दा टीआई कुमार गौरव साहू ने बताया कि घटना शनिवार की है। आरोपी को दो घंटे में गिरफ्तार कर जेल भेज दिए है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि दोस्त योगराज की शादी कार्यक्रम में शामिल होने ग्राम कोटगांव गया था। शनिवार को सुबह 4 बजे वहां से अपने घर रेंहची पैदल जाने निकला था।

नाली पुलिया के पास करीबन 4.30 बजे पहुंचा। जहां कोटगांव का सत्यनारायण साहू पुलिया के ऊपर बैठा था। जिससे बीड़ी मांगा फिर उसमें गांजा भरकर पीने लगा। इसी दौरान सत्यनारायण ने मना किया और हम दोनों में विवाद हो गया। मैं आक्रोशित होकर दाहिने हाथ में पहने चूड़े से उसके सिर पर हमला किया। जिसके बाद वह पुलिया के पास गिर गया।

बेटे ने कहा- सुबह घायल अवस्था में पड़े थे पिता

मृतक के बेटे ग्राम कोटगांव निवासी भिलेश्वर साहू ने बताया कि शनिवार सुबह 4.45 बजे ग्राम कोटगांव के सरपंच धनीराम महार ने पिता के घायल अवस्था में पड़े होने की सूचना दी। तब मैं, धनीराम महार के साथ बाइक पर घटनास्थल पर पहुंचा। वहां पिता नहर नाली पुल किनारे घायल अवस्था में पड़े थे। सिर से खून बह रहा था। मौके पर पिता के अलावा ग्राम झींका के परमानंद, शिवदयाल भी मौजूद थे। धनीराम को परमानंद ने घटना की जानकारी दी थी। पानी पिलाने पर पिता को होश आया। जिसके बाद गाड़ी में बिठाकर घर ले गए। जहां उन्होंने घटनाक्रम की जानकारी दी। कुछ देर बाद पिता ने कहा कि मुझे चक्कर जैसा लग रहा है, तब गांव के ही चार पहिया वाहन से पिता को गुंडरदेही अस्पताल ले गए। जहां इलाज के दौरान सुबह 11 बजे पिता ने अंतिम सांस ली।

इधर फाइलों में कैद हत्या के मामले

वर्ष 2016 से 2021 तक 6 हत्या के मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। इनमें से चार केस ऐसे है, जिसमें मृतकों की पहचान हीं हो पाई है। सभी मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 302 के तहत अपराध दर्ज है।

शादी के कार्ड में नाम नहीं छपवाने पर भतीजों ने की पिटाई

बिलासपुर (ए)। चचेरी बहन की शादी के कार्ड में नाम नहीं छपवाने पर भतीजों ने मिलकर चाचा की पिटाई कर दी। मारपीट से आहत ने इसकी शिकायत सीपत थाने में की है। दूसरे पक्ष ने भी मारपीट की शिकायत की है। दोनों पक्ष की शिकायत पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। सीपत क्षेत्र के कुकदा में रहने वाले जगदीश वैष्णव बाल्को के रिटायर्ड कर्मचारी हैं। 22 अप्रैल को उकी बेटी की शादी हुई। शादी के कार्ड में उन्होंने अपने भाई कृष्णादास और उसके परिवार के सदस्यों का नाम नहीं छपवाया थ। इसी बात को लेकर उनके भतीजे रंजिश रखे हुए थे। शनिवार की रात आठ बजे वे अपने पोते प्रतीक के साथ घर में सो रहे थे। इसी बीच उनके भाई का बेटा आकाश और अमन वहां आकर गाली-गलौज करने लगे। इसका विरोध करने पर दोनों भाईयों ने मारपीट की। पिता की पिटाई होते देख उनका बेटा राजेश वहां बीच-बचाव किया। इस पर दोनों भाईयों ने उनसे भी धक्का-मुक्की की। मारपीट से आहत ने इसकी शिकायत सीपत थाने में की है।

दहेज में बाइक नहीं मिलने पर पत्नी की हत्या

बिलासपुर (ए)। दहेज में बाइक नहीं मिलने पर युवक ने गला दबाकर अपनी पत्नी का हत्या कर दी। इसके बाद पुलिस और ससुराल वालों को गुमराह करने के लिए फांसी करने की झूठी कहानी बता दी। पीएम रिपोर्ट में इसकी जानकारी मिलने पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। मामले में मल्हार पुलिस ने आरोपित पति, सास और ससुर को गिरफ्तार कर लिया है। मल्हार चौकी प्रभारी शंकर गोस्वामी ने बताया कि मल्हार में रहने वाली संजू कांत(22) का विवाह दो जुलाई 2020 को अंबेश कांत से हुआ था। दहेज में बाइक नहीं मिलने पर अंबेश अपनी पत्नी से आए दिन मारपीट करता था।

28 फरवरी को अंबेशकांत अपनी पत्नी को गंभीर स्थिति में अस्पताल लेकर गए। अस्पताल में उन्होंने डाक्टरों को बताया कि संजू ने दुपट्टे से फांसी लगा ली थी। अस्पताल में डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर इसकी सूचना पुलिस को दी। इस पर पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। बयान में संजू के पिता ने दहेज के लिए अपनी बेटी को प्रताड़ित करने की बात कही। इधर पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पता चला कि संजू की गला दबाकर हत्या की गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने पति अंबेश को हिरासत में लेकर पूछताछ की। इसमें उसने तार से गला दबाकर हत्या की बात स्वीकार कर ली। मामले में पुलिस ने आरोपित पति समेत ससुर सेवकराम, सास राजकुमारी को गिरफ्तार किया है।

लिफ्ट मांगने वालों से सावधानः युवक ने बाइक सवार से लिफ्ट ली, पीछे बैठ बैग से निकाल लिए ढाई लाख रुपये

रायपुर (ए)। राजधानी में लिफ्ट मांग कर बैग से पैसे पार करने वाला गैंग सक्रिय हुआ है। आप सावधान रहें। ताजा मामला कबीर नगर इलाके का सामने आया है। एक युवक ने पहले बाइक सवार से लिफ्ट मांगी और फिर उसके पिट्ठू बैग में रखे ढाई लाख रुपये चोरी कर लिए। इसके बाद रास्ते में बहाना बनाकर उतरा और मौके से फरार हो गया। पीड़ित को इसका पता बाद में चला, लेकिन तब तक आरोपित फरार हो चुका था। शिकायत पर कबीर नगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना का सीसीटीवी पुलिस के मिला है। जिसके आधार पर उसकी पहचान की जा रही है। अविनाश आशियाना कबीर नगर में रहने वाले किशन तनवानी ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पीड़ित रजबंधा मैदान स्थित

काम्पलेक्स में पान मसाला के ऑफिस में कैशियर है। वह पान मसाला खरीदी बिक्री डिलीवरी के पैसे रोजाना की तरह इकट्ठा कर 20 अप्रैल की शाम तकरीबन सात बजे ऑफिस से निकलकर घर जा रहा था।

पीड़ित को मदद करना पड़ा महंगा

बैग में कलेक्शन का पांच लाख रुपये दो अलग-अलग बंडल में रखा हुआ था। शाम करीबन साढे सात बजे महोबा बाजार अंडर ब्रिज के आगे दूध डेयरी के पास एक 25-30 वर्ष का लड़का लिफ्ट मांगा। मदद करने की सोचकर गाड़ी में बैठा लिया। इसके बाद वह श्याम चैंबर के पास रुकने के लिए बोला और उतर कर चला गया। पीड़ित ने घर पहुंच कर देखा तो बैग का चेन खुला हुआ था। एक बंडल में रखे ढाई लाख रुपये गायब थे।

आरोपी कैमरे में हुआ कैद

पुलिस ने जांच शुरू की तो एक कैमरे में आरोपित के फुटेज मिले हैं। इसमें आरोपित युवक बैग का चैन खोलकर पैसे निकलाते हुए दिख रहा है। पुलिस अब उसी के आधार पर जांच आरोपित की तलाश कर रही है।

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

आदित्य ड्राई क्लीनर्स
Pick & Drop Service Available (Terms & Condition Applied)
98271-90875, 99938-08453, 75877-57239
सोफा पर्दा कारपेट सीटकवर लेदर जैकेट टेड्डी वियर शू
सभी प्रकार के कपड़ों का आधुनिक तकनीकी से ड्राईक्लीन किया जाता है।
Shop NO.-105, "A" Market, Sector-6, Bhilai (C.G.)

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

मिस एंड मिसेस
लेडिस वेयर
• गाऊन • ब्रा. पेन्टी • नाईटी • ब्लाउज
सभी प्रकार के अंडरगारमेंट्स की विशाल रेंज
शॉप नं-113, सेक्टर-6, ए मार्केट भिलाई

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey, AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

गर्मी में पक्षियो को बचाने महापौर ने जनता एवं सामाजिक संस्थाओं को आगे आने की अपील की

दुर्ग। नगर पालिक निगम के महापौर धीरज बाकलीवाल ने धर्मपत्नी श्रीमती स्वेता बाकलीवाल के साथ भीषण गर्मी को देखते हुए पक्षियों का जीवन बचाने के लिए अपने निवास के छत पर चारो तरह दाना पानी से भरे मिट्टी के सकोरे रखे। इस दौरान महापौर धीरज बाकलीवाल ने शहरवासियों एवं सामाजिक संस्थाओं को आगे आने की अपील की है भीषण गर्मी में पक्षियो को बचाने शहर के हर एक नागरिक को यहां कदम उठाना चाहिए, अपने घर के छत व दीवारों समेत घर की खिड़कियों और आंगन में एक कटोरा पानी व अनाज के दाने रखे,ताकि पक्षियों का कलरव मानव जीवन मे सुखद एहसास कराता रहे।सुबह आँखे खुलने के साथ ही घरो के आस पास गौरेया बच्चो सहित बड़ो का भी अपनी और आकर्षित करती है। गर्मी में घरो के आस पास इनकी चहचहाहट बनी रहे,इसके लिए जरूरी है कि लोग पक्षियों से प्रेम करें और उनका गर्मी भीषण में विशेष ख्याल रखें।

केलाबाड़ी मुस्लिम सराय में रोजा इफ्तार का आयोजन

दुर्ग। विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड नम्बर 41 के पार्षद एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी हमीद खोखर के सौजन्य से केलाबाड़ी मुस्लिम सराय में रोजा इफ्तार का आयोजन किया गया था रोजा इफ्तार के कार्यक्रम में दुर्ग शहर में अमन और चैन की दुआ उपस्थित महिलाओं द्वारा की गई साथ ही एक संदेश दुर्ग में एकता और भाईचारा का संदेश दिया गया। आज के इस गरमामयी कार्यक्रम में शहर कांग्रेस के आईटी सेल की अध्यक्ष श्रीमती निकिता मिलिन्द की महत्व पूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से दुर्ग शहर विधान सभा क्षेत्र के लाडले विधायक श्री अरुण वोरा जी की पत्नी श्रीमती मंजू वोरा जी, श्रीमती स्वेता धीरज बाकलीवाल, दुर्ग शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती कन्या ढीमर, श्रीमती खुश्बू साहू सहित सैकड़ों की संख्या में मुस्लिम समाज सहित सभी समुदायों की महिलाये उपस्थित हुई।

जनभावनाओं के अनुरूप जल्द शुरू होंगे 60 वार्डों में मूलभूत विकास कार्य : वोरा

शासन की ओर से नहीं होने दी जाएगी पैसों की कमी, तालाबों का होगा संवर्धन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। स्टेट वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन के चेयरमेन वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा वार्डों के आंतरिक विकास हेतु बड़ी राशि की स्वीकृति देने हेतु धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा है कि शहर में लगातार चौमुखी विकास करवाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। सीएम के दौरे के दौरान हुई सभा मे सड़क नाली के लिए आवश्यक कार्यों हेतु 10 करोड़ की प्रारंभिक स्वीकृति प्राप्त हुई है जिस पर त्वरित कार्यवाही की आवश्यकता है।

उन्होंने निगम अफसरों से सभी पूर्व स्वीकृत विकास कार्यों को तेजी से पूरा कराने के निर्देश दिये हैं। साथ ही कहा कि तत्काल प्रस्ताव भेजने की कार्रवाई करें ताकि जल्द से जल्द विकास कार्यों की मंजूरी मिलने के बाद शहर के वार्डों में सड़क-नाली निर्माण के कार्य कराए जा सकें।

वोरा ने कहा कि शहर के जीई रोड, राजेंद्र पार्क से जेवरा चौक, रुआंबांधा से बोरसी सहित अन्य प्रमुख सड़कों का डामरीकरण, सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। शहर के वार्डों के भीतर सड़क, नाली का निर्माण भी तेजी से कराया जाए। पिछले कुछ महीनों में नगर निगम को विकास कार्यों के लिए करोड़ों रुपए की राशि मिली है। इस राशि से सभी 60 वार्डों में नागरिक सुविधाओं का ध्यान रखते हुए विकास कार्य कराया जाए।

वोरा ने बताया कि पटरीपार के विकास के लिए मुख्यमंत्री से चर्चा की गई है। पटरीपार में विकास कार्यों के अलावा मिनी स्टेडियम, कॉलेज, उद्यान सहित अन्य प्रमुख कार्यों के लिए चर्चा हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने सभी कार्यों के प्रस्तावों पर सहमति जताते हुए कहा है कि इन कार्यों के प्रस्ताव भेजने कहा है ताकि इन कार्यों की स्वीकृति दी जा सके।

वोरा ने निगम कमिश्नर एवं महापौर धीरज बाकलीवाल से चर्चा कर कहा कि राशि स्वीकृत होने के बाद प्रस्ताव भेजने एवं निविदा प्रक्रिया जल्द करवाने के साथ ही प्रगतिशील विकास कार्यों की नियमित समीक्षा की जाए जिससे जनता को जल्द लाभान्वित किया जा सके।

ठगड़ा बांध पिकनिक स्पॉट का निर्माण समय सीमा में पूर्ण कराया जाए नगर निगम से संबंधित बिजली, पानी, सड़क नाली से संबंधित कार्यों के लिए जनप्रतिनिधियों की विकास निधि के साथ ही अधोसंरचना, संधारण एवं अन्य मदों में भी पर्याप्त राशि लगातार जारी करवाई जा रही है सतत मोनिटरिंग एवं आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता देकर पूर्ण करने में कोई भी कोताही ना बरती जाए।

संत निरंकारी चेरिटेबल फॉउंडेशन द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में 251 यूनिट रक्तदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। बाबा गुरुबचन सिंह जी व अन्य बलिदानी संतो की स्मृति में मिशन के भक्तों के लिए रक्तदान पहले से ही जन कल्याण की सेवा भाव मे एक अभिन्न अंग रहा है। युग दृष्टा बाबा हरदेव सिंह जी महाराज के कथन रक्त नालियों में नही,नाड़ियों में बहे को चरितार्थ करते हुए इस वर्ष विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन 24 अप्रैल रविवार को किया गया।

सेक्टर 8 स्थित भिलाई नायर समाजम स्कूल में आयोजित विशाल रक्तदान शिविर सुबह 9 बजे से प्रारंभ होकर दोपहर 3 बजे तक चलता रहा। प्रथम रक्तदाता के रूप में छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश महामंत्री श्री अजय भसीन ने रक्तदान किया।रक्तदाताओ में रक्तदान करने का उत्साह व उमंग देखते ही बनता था। पुरुष रक्तदाता जहां उमंग से रक्तदान कर रहे थे वही महिलाओं ने भी बढ़चढ़ रक्तदान किया। रक्तदान शिविर में कुल 393 रक्तदाताओ ने पंजीयन कराया।हीमोग्लोबिन की कमी व अन्य कारणों से 142 रक्तदाताओं को ब्लड बैंक प्रभारी द्वारा अयोग्य माना गया। कुल 251 यूनिट रक्तदान किया गया। इसमे पुरुष रक्तदाताओ की संख्या 150 व महिलाओ ने 101 यूनिट रक्तदान किया । रक्तदान शिविर में डॉ प्रवीण अग्रवाल नोडल अधिकारी की देखरेख में जिला चिकित्सालय दुर्ग ब्लड बैंक द्वारा रक्त संग्रह किया गया।

सुप्रचार प्रभात फेरी निकाली गई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। हरि ओम साधक परिवार और बालसंस्कार सेवा धारी भाइयो द्वारा कैम्प 1 वृन्दा नगर से हरि नाम प्रभात फेरी श्री भागवत चंद्रकार के यह से सुबह 7 बजे निकाली गई ,कार्य कर्म की सुरुवात गुरु वंदना से की गई,यह यात्रा को पूरे कैम्प 1 में हरि नाम कीर्तन करते हुए घुमाये गये सभी ग्राम वासी इस भगवान नाम का लाभ लिए हरि ओम साधक परिवार ने बताये गए।

संत श्री आसाराम जी बापू के 86 वे अवतरण दिवस के उपलक्ष्य में देश विदेश में सभी जगह भगवान नाम कीतर्न,जप,पाठ, हनुमान चालीसा,गुरु देव के जीवन पर आधारित श्री आसारामायण पाठ,भजन संध्या, और शर्बत वितरण,गरीबो को आवश्यक सामग्री देना यह सभी कार्य संत आसाराम जी बापू की प्रेणा से बापू के शिष्य द्वारा निरंतर की जा रही, कार्य कर्म के अंत मे सदुरु जी की मंगल आरती के साथ समापन किये, युवा सेवा संघ के भाई भागवत चंद्रकार ने बताई गई कि समिति के अध्यक्ष श्री चंदू भाई चंद्रकार जी द्वारा भिलाई दुर्ग के सभी जगह मे भगवान नाम से लोगो को जोड़ने का कार्य हर रविवार को निरंतर करते है, ऐसे सेवा कार्य के लिए तत्पर रहते यह कार्य अपने आप मे अति उत्तम है, उक्त जानकारी युवा सेवा संघ ने दी।

पीएम मोदी की मन की बात मे पानी बचाने अमृत सरोवर के लिए लोगो को प्रेरित करने का लिया संकल्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा किए जाने वाले मन की बात कार्यक्रम से आम लोगों को जोड़ने भाजपा के वृहद कार्यक्रम तहत भाजपा सिकोला भाठा पटरी पार मंडल के वार्ड 16 के जयंती नगर मे बूथ प्रभारी अश्वनी साहू निवास मे कार्यकर्ताओ ने प्रधानमंत्री जी कि मन कि बात कार्यक्रम देखे जिसमें जिला भाजपा मंत्री व कार्यक्रम प्रभारी दिनेश देवांगन की प्रमुख उपस्थिति थे आज मन की बात मे प्रधानमंत्री द्वारा धरती पर गिरते जल स्तर को बचाने जल सरंक्षण के दिशा में कार्य करते हुए पानी के प्राचीन स्रोत तालाबों व कुओ को संरक्षित कर नए अमृत सरोवर बनाने के लिए आव्हान करने पर इस दिशा में भाजपा द्वारा लोगो को प्रेरित करने निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर संगठन को मजबूत करने पटरी पार मंडल भाजपा मे वरिष्ठ पार्षद देवनारायण को महामंत्री नियुक्त किए जाने पर कार्यकर्ताओ द्वारा अभिनंदन भी किया गया इस अवसर पर मंडल भाजपा अध्यक्ष लुकेश बघेल महामंत्री देवनारायण चंद्राकर,सुनील अग्रवाल उपाध्यक्ष रचित परासर,मंत्री मन्नू साहू जितेंद्र राजपूत,प्रवीण सेन,पिछड़ा वर्ग मंडल अध्यक्ष अश्वनी साहू कृष्ण यादव,विजय श्रीवास, अजय पटेल, हिंनछा राम साहू,रूपेश यादव,गोविंद चंद्राकर ,जितेंद्र साहू,मनोज साहू,विनोद साहू सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे इसी प्रकार वार्ड 18 शक्ति नगर के बूथ नंबर 25 मे भी मन की बात कार्यक्रम सुना गया जिसमे मुख्य रूप से बूथ अध्यक्ष दिनेश साहू, जिला भाजयुमो महामंत्री तेखन सिन्हा, अध्यक्ष कन्हैया देवांगन, उषा निर्मलकर, शांति बाई साहू सहित बूथ के बहुत से सदस्य व महिलाएं उपस्थित रहे।

युवा जीव कल्याण संस्था की पहल बस स्टैंड यात्रिओ के लिए खोला पनघर

गौ माताओ एवं पशुओं के जल पात्र एवं पंछियो के लिए जल पात्र वितरण किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी गर्मी को देखते हुए दुर्ग जिले में युवा जीव कल्याण संस्था, दुर्ग द्वारा बस स्टैंड में बस यात्रियों के लिए पनघर जिसमे युक्त जल बस यात्रियों के लिये खोला गया पनघर का शुभआरंभ नवदृस्टि फाउंडेशन के राज अडतीय जी के हाथों सम्पन हुआ एवं संस्था द्वारा गौ माताओ के लिए जल पात्र जो शहर के प्रमुख मार्गों में रखा जाएगा ताकि गौ माता प्यासी ना रहे। संस्था द्वारा प्यासे पंछियो के लिये कोटना रखा रखा गया।

साथ ही साथ शहर के नागरिकों को अपने अपने घरों के छत में पक्षियों के दान-पानी रखने के लिए आग्रह किया गया। युवा जीव कल्याण संस्था प्रतिदिन गौ माता ओ को गो ग्रास रथ के माध्यम से प्रतिदिन गौ माताओ को भोजन वितरण किया जा रहा हैं संस्था द्वारा विकलांग जनों को ट्रायसिकल ,बैसाखी, वितरण समय समय पर किया जाता रहा है असाहय जनों को वस्त्र, चरण पादुका , महिलाओं को साड़ी बच्चो को जूता चपल , छाता, वितरण भी संस्था द्वारा अनवरत रूप से चालू हैं शुल्क सकोरे का वितरण संस्था के अध्यक्ष ,संस्थापक महेश शर्मा ने बताया संस्था विगत 4 वर्षा से जन सेवा एवं गौ सेवा कार्य सुचारू रूप से चल रहा जिसमे समाज के वरिष्ठ जनों के मार्गदर्शन सहयोग से ये सभी कार्य सम्भव हो रहा हैं संस्था के पन घर एवं जल पात्र वितरण के अवसर पर संस्था के संरक्षक प्रतीक जैन,संदीप बोथरा, डॉ राहुल सिंगरौल, प्रसन्ना अग्रवाल,रविन्द्र मिश्रा,मो आमिर, सम्भव जैन,रामकुमार शर्मा,विकाश शर्मा, राहुल गुप्ता,नीलेश पारख,ओपी शर्मा उपस्थिति रहे।

पशु-पक्षियों के दाना पानी के लिए आगे आयी जन समर्पण सेवा संस्था, जनता को वितरण किये कोटना एवं सकोरे

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जन समर्पण सेवा संस्था, दुर्ग द्वारा शहर में सबसे ज्यादा सरहानीय कार्य करते हुए बेजुबान पशु पक्षियों के दाना पानी के लिए भारी मात्रा में सीमेंट का कोटना एवं मिट्टी के सकोरे का नि:शुल्क वितरण किया गया, वर्तमान में पूरे जिले में गर्मी का विकराल रूप देखने को मिलने लगा है। ऐसे में जब लोगों को परेशानी हो रही है तो बेजुबान पक्षियों की क्या दशा होगी।

ऐसे में पशु-पक्षियों की पानी की कमी से मौत न हो, इसके लिए दुर्ग जिले की प्रमुख समाज सेवी संस्था जोकि विगत 5 वर्ष से प्रतिदिन बिना रुके मानव सेवा एवं गौ सेवा का कार्य कर रही जन समर्पण सेवा संस्था, दुर्ग के युवाओ ने अपनी पूरी टीम के साथ आज दिनाँक 24 अप्रैल को शहर के प्रमुख स्थान पुराना बस स्टैंड में स्टॉल लगाकर आम नागरिकों को गौ मात एवं अन्य पशुओं के लिए सीमेंट से बने कोटना एवं पक्षियों के लिए मिट्टी का सकोरे का वितरण किया गया।

जन समर्पण सेवा संस्था के अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा ने बताया कि भीषण गर्मी में मानव के साथ साथ पशु-पक्षियों को भी पानी की बेहद जरूरत होती है। संस्था द्वारा शहर में एक अभियान चलाया जा रहा है जिसकी शुरुआत आज की गयी, जिसमें शहर के प्रमुख स्थल पुराना बस स्टैंड में स्टॉल लगाकर आम जनता को कोटना एवं सकोरे का वितरण किया गया, आम नागरिकों मीडिया के माध्यम से पूर्व में सूचना होने से भारी मात्रा आम जनता पशु पक्षियों के लिए कोटना एवं सकोरे लेने पहुँचे।

जन समर्पण सेवा संस्था द्वारा आज दिनाँक 24 अप्रैल को प्रात: 11 बजे से पुराना बस स्टैंड, दुर्ग के पास स्टाल लगाकर लगभग 2 हजार आम नागरिकों को अपने घरों की छत पर पशु-पक्षियों के दाना-पानी रखने के लिए मिट्टी से बने सकोरे का नि:शुल्क वितरण किया गया, साथ ही साथ शहर के प्रमुख स्थानों के लिए लगभग 50 से अधिक आम नागरिकों कोटना का वितरण किया गया, सुबह से लोग कोटना एवं सकोरे लेने आये और कतार बद्ध लाइन लगके पशु पक्षियों के दाना पानी के लिए कोटना एवं सकोरे लेकर गए. संस्था के सदस्य आशीष मेश्राम ने बताया कि संस्था द्वारा वर्तमान गर्मी में लगातार अलग अलग स्थानों में स्टॉल लगाकर संस्था द्वारा पशु पक्षियों के लिए कोटना एवं सकोरे का वितरण किया जावेगा एवं संस्था के सदस्य प्रतिदिन अलग अलग स्थानों में गौ माता एवं अन्य पशु पक्षियों के लिए सीमेंट से बने कोटना को रखा जावेगा. दोपहर में जहां लोग गर्मी से बचने के लिए कूलर-एसी के पास पहुंच जाते हैं। वहीं युवाओं की यह टोली अब हाथ मे सकोरे एवं कोटना लेकर सड़कों पर निकलकर वितरण करेंगे। युवाओं का कहना था कि पानी की कमी से इन बेजुबान पक्षियों की जान न जाने पाए। इस मुहिम में अब अनेक लोग आगे बढ़कर अपना सहयोग देने लगे हैं। पक्षियों के सरंक्षण का इस अभियान में जिले के नागरिकों का भरपूर सहयोग मिल रहा है रहे हैं। अपने मित्र एवं अन्य परिचितों को फोन करके भी इस अभियान का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित करने से अब सौ से अधिक युवाओं ने अपनी भागीदारी देनी शुरू कर दी है। संस्था ने शहर के नागरिकों से अपील की है कि शहर में गौ माता एवं अन्य जानवारों के लिए रखे जाने वाले कोटना में प्रतिदिन दाना-पानी डालकर इस अभियान में सहयोग करें।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950